सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गायकवाड़ लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बन पेज: 7

बॉर्डर 2 लिए के लिए सनी देओल ने सबसे ज्यादा फीस ली पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 271 | शनिवार 10 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जेपी नड्डा ने ममता सरकार को घेरा, आयुष्मान भारत रोककर किया बंगाल के गरीबों से अन्याय

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने में विफलताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना से वंचित रहने और कल्याणकारी कार्यक्रमों के अप्रभावी कार्यान्वयन के कारण गरीब और कमजोर वर्ग के लोग जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो गए हैं। पश्चिम बंगाल के तंगरा में आयोजित एक डॉक्टर्स सम्मेलन को संबोधित करते हुए नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित क्रांतिकारी पहलों की सराहना भी की। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संकेतकों में ऐतिहासिक राष्ट्रीय प्रगति के बावजूद.....

राजनाथ सिंह ने किया अशोक लेलैंड इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट का उद्घाटन, बोले ईवी वाहनों का है भविष्य

लखनऊ एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शुक्रवार को राजधानी के सरोजनी नगर क्षेत्र में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) प्लांट का उद्घाटन किया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है, इसी दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक ईंधन से चलने वाले वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख होंगे। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से ईवी को बढ़ावा देना आवश्यक है और सरकार भविष्य की तकनीकों पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए नियमों को सरल किया गया है और उद्योगों को ऑनलाइन प्रक्रियाओं के माध्यम से सहूलियत दी जा रही है। उन्होंने कहा

कि अशोक लेलैंड का यह संयंत्र केवल एक कंपनी की सफलता नहीं, बल्कि उद्योग जगत के सरकार की नीतियों पर बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। डबल इंजन की सरकार के तहत उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था, सड़कों और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण निवेश का माहौल सुदृढ़ हुआ है। राजनाथ सिंह ने बताया कि संयंत्र का निर्माण 24 महीनों में प्रस्तावित था, लेकिन रिकॉर्ड 18 महीनों में इसे पूरा किया गया। यहां परिचालन शुरू होने के बाद हर महीने लगभग 2,500 इलेक्ट्रिक वाहन तैयार किए जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा और अगले पांच वर्षों में हजारों करोड़ रुपये के निवेश तथा लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार निवेश को बढ़ावा देने के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एवं फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनी निवेश प्रोत्साहन नीति-2023 लेकर आई है। साथ ही उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एवं डिफेंस यूनिट और रोजगार प्रोत्साहन नीति के माध्यम से राज्य को रक्षा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनाया जा रहा है। राजनाथ ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक, यानी 2047 में, उत्तर प्रदेश रोजगार, उद्योग, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में देश का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि यही विकसित भारत का सपना और संकल्प है। राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि वर्ष 2014 में भारत का घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड़ रुपये था, जो आज रिकॉर्ड बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इसी तरह, रक्षा निर्यात जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से भी कम था, अब रिकॉर्ड 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के प्रयासों के चलते भारत का रक्षा क्षेत्र तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। कौशल विकास पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है, ताकि वे देश और प्रदेश के विकास में निर्णायक भूमिका निभा सकें।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर स्थापित किया गया है और लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्ट्री में अब ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इसमें नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था

जो भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता को दशार्ता है

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में अशोक लेलैंड संयंत्र का दौरा कर सैन्य वाहनों का निरीक्षण किया और उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि देश का घरेलू रक्षा उत्पादन 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता को दशार्ता है।

आतंकवाद पर अब होगा 'डिजिटल स्ट्राइक', अमित शाह बोले- एनआईडीएमएस बनेगा देश का सुरक्षा कवच

नई दिल्ली एजेंसी: भारत की पहली राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) का शुभारंभ करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि यह आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी का सुरक्षा कवच बनेगी और देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण में आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा प्रणाली तीन प्रमुख तरीकों से मजबूत होगी। शाह ने गुरुग्राम के मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में एनआईडीएमएस का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए यह बयान दिया। यह भारत की आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विरोधी और

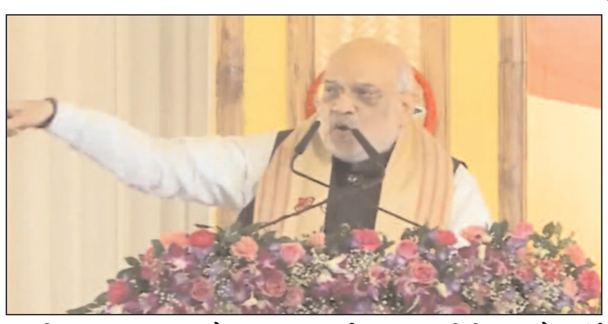

आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, एनएसजी के महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक और विभिन्न राज्यों के पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे। एनएसजी द्वारा विकसित एनआईडीएमएस एक सुरक्षित, राष्ट्रीय स्तर का डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) से संबंधित डेटा का व्यवस्थित संग्रह, संकलन और प्रसार करना है। शाह ने अपने संबोधन में कहा, "देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण के लिए एनआईडीएमएस आने वाले दिनों में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके अलावा, एनआई डीएमएस आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी का सुरक्षा कवच बनेगा।" मंत्री ने बताया कि गृह मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रकार के डेटा एकत्र किए हैं, लेकिन अब तक वे अलग-अलग थे। भाजपा नेता ने कहा, "अब हम इन सभी डेटा स्रोतों को आपस में जोड़ने और उनके विश्लेषण के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज एनआईडीएमएस का शुभारंभ इस प्रक्रिया को गति देगा और देश को आतंकवाद से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।"

विकास के मुद्दे पर लड़ेंगे चुनाव, एकनाथ शिंदे का विपक्ष को संदेश- हमें हल्के में न लें

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को पुणे नगर निगम चुनाव से पहले पुणे में प्रचार किया और इस बात पर जोर दिया कि महायुति गठबंधन विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहा है और मुंबई और पुणे दोनों में विजयी होगा। कात्रज दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें किसी भी पार्टी कार्यकर्ता द्वारा दिए गए बयानों की जानकारी नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा, "हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके ढाई साल के कार्यकाल में

किए गए कार्यों के साथ-साथ पिछले एक साल में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में किए गए कार्यों को सीधे जनता तक पहुंचाया जा रहा है। मुंबई में चुनाव परिणामों को लेकर विश्वास जताते हुए शिंदे ने कहा कि मतदाता विकास कार्यों पर आधारित महायुति गठबंधन के पक्ष में मतदान करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं इसे एक शब्द में कहूँ तो, मुंबई के मेयर महायुति गठबंधन से ही होंगे। पुणे नगर निगम चुनावों पर शिंदे ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि पुणे के कुछ क्षेत्रों में महायुति सहयोगी एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में वे अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, "पुणे में शिवसेना स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है और हमारे कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है। वे हर हाल में यह चुनाव जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नागरिक मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, शिवसेना प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी यातायात, जल आपूर्ति और बुनियादी नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने पुणे को झुग्गी-मुक्त शहर बनाने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि विकास शिवसेना के एजेंडे का मूल आधार है। शिंदे ने कहा, "विपक्ष को हमें हल्के में नहीं लेना चाहिए। शिवसेना एक मजबूत पार्टी है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने महाराष्ट्र भर में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जिससे यह धारणा गलत साबित होती है

'बेटी को न्याय दिलाना प्राथमिकता', अंकिता भंडारी केस में सीएम धामी का बड़ा ऐलान, सीबीआई करेगी जांच

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अंकित भंडारी हत्याकांड (2022) की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच के आदेश देने की घोषणा की। यह आदेश अंकित भंडारी के अभिभावकों की मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद दिया गया। अंकिता भंडारी के अभिभावकों ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री से अपनी बेटी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग की। अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी और माता सोनी देवी ने बुधवार रात धामी से मुलाकात की और उन्हें एक पत्र सौंपा जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मामले की जांच की मांग की गई थी। एक वीडियो संदेश में धामी ने कहा कि बेटी अंकिता भंडारी को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंकिता के माता-पिता ने भेंट के दौरान सीबीआई जांच की मांग रखी थी जिसका सम्मान करते हुए हमारी

सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि मातृशक्ति की सुरक्षा एवं उनके सम्मान के लिए हमारी सरकार सदैव प्रतिबद्ध रही है। देवभूमि उत्तराखंड में कानून का राज है, यहां दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। एक दिन पहले मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत बेटी अंकिता के माता-पिता के साथ आधिकारिक आवास पर एक बैठक हुई। इस दौरान, उन्हें उनकी मांगों पर कानूनी, निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। हमारी सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। धामी ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले में पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ काम किया है। सचिवालय के मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंकिता भंडारी मामले से संबंधित सवालों का जवाब देते हुए

ईडी की रेड पर छलका सीएम ममता बनर्जी का दर्द, कहा- 'कल का दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा'

नई दिल्ली एजेंसी: ईडी के खिलाफ मार्च के बाद सीएम ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। ममता ने कहा कि 'कल का दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा' होगा। वहीं सीएम ममता ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि राज्य की अस्मिता और बंगाली पहचान को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में सत्ता पाने के लिए 'विभाजनकारी' राजनीति का सहारा ले रही है। बंगाली पहचान पर हो रहा हमला मुख्यमंत्री ने भीड़ को संबोधित करते हुए सवाल उठाया कि आखिर बंगाली बोलने वालों को शक की निगाह से क्यों देखा जा रहा है? उन्होंने कहा, "अगर आप बंगाली में बात करते हैं, तो वे आपको 'बांग्लादेशी' घोषित कर देते हैं। वे बार-बार दावा करते हैं कि बंगाल में रोहिंग्या

मौजूद हैं, लेकिन मैं पूछती हूँ कि आखिर रोहिंग्या हैं कहाँ?" एसआईआर पर उठाए सवाल असम के संदर्भ में केंद्र सरकार को घेरते हुए ममता बनर्जी ने पूछा, "अगर असम में रोहिंग्या नहीं हैं, तो वहां एसआई आर (राज्य पहचान रजिस्टर) की प्रक्रिया क्यों शुरू नहीं की गई? सारा निशाना केवल पश्चिम बंगाल ही क्यों है?" मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जिस तरह भाजपा ने महाराष्ट्र और हरियाणा में सत्ता हासिल की, उसी तर्ज पर वे बंगाल पर भी कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन बंगाल की जनता इसे कभी संभव नहीं होने देगी।

केंद्र के नए कानून पर कर्नाटक में बवाल, मनरेगा बचाने को कांग्रेस सरकार बुलाएगी विशेष सत्र

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को घोषणा की कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए राज्य में दो दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा एमजीएनआरईजीए योजना को नए वीबी जी राम जी अधिनियम से बदलने के बाद ग्रामीण श्रमिकों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंताओं पर चर्चा करने के लिए कर्नाटक सरकार ने दो दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करने की योजना बनाई है। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि हमने एमजीएनआरईजीए मुद्दे पर दो दिवसीय विशेष सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया है। हम इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। भाजपा प्रचार करने जा रही है। उनके कार्यक्रम क्या हैं? वे हमें बताएं। हम भी जनता को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देंगे। शिवकुमार ने

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को एमजीएनआरईजीए और नए वीबी-ग्राम जी विधेयक के बीच अंतर पर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि उनसे कहिए कि वे एमजीएनआरईजीए और नए एम जी एन आर ईजीए वीबी-ग्राम जी विधेयक के बीच अंतर पर चर्चा करने के लिए बहस में शामिल हों। आइए एक तारीख तय करें। हमें जनता में जागरूकता भी पैदा करनी चाहिए। उनकी पार्टी के अध्यक्ष, विपक्ष के नेता या केंद्र सरकार के नेताओं को भी बुलाइए। उनसे कहिए कि वे किसी टीवी चैनल पर बहस करें। अगर (यूपीए सरकार के समय, जैसा कि प्रहलाद जोशी ने आरोप लगाया है) 11 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है, तो सीबीआई को इसकी जांच करने के लिए कहिए। दिसंबर 2025 में, संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 (वीबी-ग्राम जी विधेयक) पारित किया गया। सरकार ने इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है,

राहुल ने विभिन्न राज्यों में बीजेपी की डबल इंजन वाली सरकारों पर बोला हमला

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भाजपा को ह्यभ्रष्ट जनता पार्टी' करार दिया और दावा किया कि विभिन्न राज्यों में उसकी डबल इंजन वाली सरकारों ने भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अहंकार के जहर से लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है। गांधी ने भाजपा को निशाना बनाते हुए उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड, उत्तर प्रदेश के उन्नाव बलात्कार कांड, इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों जैसी घटनाओं का जिक्र किया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक पोस्ट में कहा, देश भर में भ्रष्ट' जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की ज़िंदगी तबाह कर दी है। भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि इनके तंत्र में गरीब, असहाय, मजदूर और मध्यमवर्ग की ज़िंदगी सिर्फ. आंकड़ा है और ह्यविकास' के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उन्होंने कहा, उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया लेकिन सवाल आज भी वही है: सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है?

कानून सबके लिए बराबर कब होगा?" गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड में भी पूरा देश देख चुका है कि सत्ता के गुरूर में अपराधियों को कैसे बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इंदौर में जहरीला पानी पीने से मौतें हों या गुजरात-हरियाणा-दिल्ली तक दूषित आपूर्ति की शिकायतें - हर तरफ बीमारियों का डर है। कांग्रेस नेता ने कहा, राजस्थान की अरावली हो या प्राकृतिक संसाधन जहां-जहां अरबपतियों का लालच और स्वार्थ पहुंचा, वहां-वहां नियमों को कुचल दिया गया। पहाड़ काटे जा रहे हैं, जंगल उजाड़े जा रहे हैं और जनता को बदले में मिल रहा है धूल, प्रदूषण और आपदा। उन्होंने कहा कि खांसी के सिरप से बच्चों की मौतें, सरकारी अस्पतालों में नवजातों को मारते चूहे, सरकारी स्कूलों की गिरती छतें यह लापरवाही' नहीं भ्रष्टाचार की सीधी मार है। गांधी ने कहा, पुल गिरते हैं, सड़कें धंसती हैं, ट्रेन हादसों में परिवार मिट जाते हैं और भाजपा सरकार हर बार वही करती है: फोटो खिंचवाना, ट्वीट और मुआवजे की औपचारिकता। उन्होंने कहा कि मोदी का डबल इंजन' चल रहा है लेकिन सिर्फ. अरबपतियों के लिए। आम भारतीय के लिए ये भ्रष्टाचार की डबल इंजन सरकार विकास नहीं, तबाही की रफ्तार है जो हर दिन किसी न किसी की ज़िंदगी कुचल रहा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भाजपा को भ्रष्ट जनता पार्टी' करार दिया और दावा किया कि विभिन्न राज्यों में उसकी डबल इंजन वाली सरकारों ने भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और अहंकार के जहर से लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है।

संपादकीय

आधी रात दंगे की साजिश

जनवरी 6-7 की दरमियानी रात, करीब 1.30 बजे, गहरी नींद में सोने का वक्त था, लेकिन राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट में उपद्रव था, पथराव किया जा रहा था, कांच की बोतलों से भी हमले किए गए। एक उन्मादी, मजहबी और जेहादी किस्म की भीड़ थी, जो दंगा फैलाने पर आमादा लग रही थी। सिर्फ एक सफेद झूठ, मस्जिद तोड ? की अफवाह, ने भीड़ को सडकों पर उतरने को विवश किया था। एक वीडियो में एक शख्स भडका-उकसा रहा था-ह्यभाईयो! घरों से बाहर निकलने का वक्त है। अपनी दुकानें बंद करो। रात काली करो! मिलिट्री भी आ गई है। उधर कर्फ्यू लगा रखा है, ताकि मस्जिद को तोड़ा जा सके। देखो! मुसलमानों के क्या हाल किए जा रहे हैं! घरों से निकलो! हमें मस्जिद को बचाना है ह्व सिर्फ यही नहीं, किसी जलाल इमरान ने बड़े झूठ का वीडियो जारी किया-ह्यमस्जिद तोड़ दी गई। 12 बजे से 3 बजे के बीच मस्जिद तोड़ दी गई ह्व रिजवान पाशा ने भी सोशल मीडिया पर झूठ बोल कर दंगा भडकाने की साजिश की और मस्जिद को तोडे की झूठी खबर फैलाई। दिल्ली पुलिस ने ऐसे करीब 100 वीडियो जारी किए जाने की बात कही है, जिनमें मस्जिद तोडे की अफवाह फैलाई गई। सर्दी की आधी रात में पत्थर, ईंटें, कांच की बोतलें, कीलें आखिर कहां से आ गईं, यह सवाल एक बार फिर उभरा है। यही दृश्य उन इलाकों में भी सामने आया है, जो मुस्लिम बहुल थे और जहां दंगे जैसी हिंसा हुई थी। दिल्ली दंगे भी इसी पृष्ठभूमि पर भडके और फैले थे। अब तो राजधानी दिल्ली की सुरक्षा को भी ठेंगा दिखाया जा रहा है। ब्रह्म-सत्य सा यथार्थ यह है कि प्राचीन ह्यह्यफैज-ए-इलाहीह्वह्व मस्जिद पूरी तरह महफूज और सुरक्षित है। उसकी 0.195 एक-ड़ जमीन पूरी तरह वैध है। अलबत्ता उसके आसपास के करीब 36, 400 वर्ग फुट के अवैध अतिक्रमण को, 32 बुलडोजरों और 4 क्रेन के जरिए, जरूर ध्वस्त किया गया है। मस्जिद के आसपास मिट्टी-मलबे के ढेर लगे हैं।

यह दिल्ली उच्च न्यायालय का 12 नवंबर, 2025 का आदेश था और तीन माह की अवधि में अतिक्रमण ढहाए जाने थे। तुर्कमान गेट मुस्लिम-बहुल, संकरा, घनी आबादी वाला इलाका है, लिहाजा रात के वक्त ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया। इलाके के दुकानदारों, ठेले-पटरीवालों से बातचीत कर पुलिस ने उन्हें सचेत और आगाह कर दिया था। बुनियादी मुद्दा अतिक्रमण और मजहब के बीच ऊंची दीवारें खड़ी हैं। वक्फ के खोखले, अवैध, दस्तावेजहीन दावे ह्यआग में घीह्व का काम करते हैं। जब अफवाहें फैलाई जा रही थीं और भीड़ सडक पर उतर आई थी, तब सपा के रामपुर सांसद मोहिबुल्ला नदवी उस इलाके में क्या कर रहे थे? क्या उन्होंने भी भीड़ को उकसाने का संबोधन दिया था? पुलिस उनसे भी सवाल-जवाब करेगी। बेशक आरोपितों और संदिग्धों की धरपकड़ की गई है, फर्जी वीडियो जारी करने वालों की भी पहचान की जा रही है, लेकिन चिंता यह है कि कट्टरपंथ और जेहादी मानसिकता को कैसे समझाया जाए? आधी रात में लगभग दंगे के हालात बन गए थे। पथराव से अर्द्धसैन्य बल और पुलिस के जवान घायल हुए हैं। वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। हकीकत यह थी और आज भी है कि प्राचीन मस्जिद को उंगली तक नहीं लगाई गई।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ममता दीदी के बगावती तेवर

सनत जैन

कोलकाता में ममता बनर्जी के बगावती तेवर केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। बल्कि उस असंतोष की अभिव्यक्ति है, जो पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष के भीतर लगातार पनप रही है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के दौरान जिस तरह से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर पहुंचीं। अधिकारियों के सामने खड़ी हुईं , उन्होंने पार्टी से जुड़े दस्तावेज ईडी के अधिकारियों से छीनकर अपने साथ ले आईं। उसने देश की राजनीति में एक नई और असहज स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। क्या जांच एजेंसियां कानून का निष्पक्ष पालन कर रही हैं ? या वह सत्ता की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा और मोहरा बनती जा रही हैं? ममता बनर्जी का आरोप सीधा और गंभीर है। उनका कहना है कि आईपैक और पार्टी से जुड़े लोगों के यहां पड़े छापों का मकसद किसी आर्थिक अपराध की जांच नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति, उम्मीदवारों की सूची और आईटी सेल का डेटा हासिल करना था। चुनाव के ठीक पहले यदि जांच एजेंसियां सचमुच किसी पार्टी के राजनीतिक दस्तावेजों और डिजिटल डेटा को निशाना बना रही हैं। किसी भी पार्टी के आंतरिक लोकतंत्र की आत्मा पर हमला ही माना जाएगा। चुनावी मुकाबला विचारों और जनसमर्थन से होना चाहिए, नाकि एजेंसियों के सहारे राजनीतिक लड़ाई लड़नी चाहिए।

ईडी का पक्ष है, सर्च कानूनी प्रक्रिया के तहत और पुराने मामलों के आधार पर की गई है। सवाल यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों में जांच एजेंसियों की सक्रियता अक्सर चुनावों के आसपास ही क्यों दिखाई देती है। झारखंड में हेमंत सोरेन, महाराष्ट्र में शरद पवार और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री दिल्ली के मुख्यमंत्री और मंत्री सभी के खिलाफ एक जैसी घटनाएं यह धारणा मजबूत करती हैं। केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्हें चुनाव में पराजित करने के लिए इस तरह से जांच एजेंसी केंद्र सरकार के सारे पर काम करती है। अब तो यह आप न्यायपालिका पर भी लगने लगा है। न्यायपालिका के निर्णय अब खुली आंख से हो रहे हैं सत्ता पक्ष के लोगों के लिए अलग तरीके से निर्णय आते हैं विपक्ष के लिए अलग तरह से निर्णय देखने को मिलते हैं। जांच एजेंसियों की जांच लंबी चलती है। इसे विपक्षी दलों को बदनाम करने तथा उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई की जाती है जांच एजेंसी के नतीजे कई वर्षों तक दुर्लभ होते हैं। २जी ३जी और कोल घोटाले का क्या असर हुआ, अजीत पवार के ऊपर 70000 करोड रुपए के घोटाले के आरोप लगाए गए थे। उसका क्या हुआ ,यह सभी जानते हैं। जांच एजेंसियां चुनाव आयोग की कार्यवाही तथा न्याय पालिका के जो निर्णय हो रहे हैं। उसे विपक्षी राजनीतिक दलों को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ता है। पश्चिम बंगाल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता लेने और पश्चिम बंगाल की सरकार के खिलाफ समय-समय पर जो निर्णय देखने को मिले हैं उसमें पक्षपात होता हुआ दिखता है जिसके कारण अब ममता दीदी पूरे बगावती तेवर में है और वह आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर गई हैं। ममता बनर्जी का यह आक्रामक रुख इस मायने में अलग है, उन्होंने डर की राजनीति को खुली चुनौती दी है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विपक्ष केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगा। सत्ता की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई जांच एजेंसियों और न्यायपालिका के पक्षपात का सड़कों पर आकर विरोध करेंगी। यह कदम कानूनी जोखिम से भरा हो सकता है। राजनीतिक रूप से उन्होंने खुद को एक आक्रामक नेता के रूप में स्थापित किया है। जो केंद्रीय सत्ता के आगे झुकने को किसी भी कीमत में तैयार नहीं है। यह विवाद केवल बंगाल या तृणमूल कांग्रेस तक सीमित नहीं रहेगा। जांच एजेंसियों, चुनाव आयोग और न्याय पालिका द्वारा जिस तरह से विपक्षी दलों के लिए अलग और सत्ता पक्ष के लिए अलग तरह से काम किया जा रहा है। यह पूरे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा सवाल और विपक्ष के अस्तित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठ रहे है। न्यायिक और संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वह अपने कार्य को निष्पक्ष तरीके से करें। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है। जांच निष्पक्ष हो, चुनाव बराबरी के मैदान में हो। सत्ता तथा विपक्ष दोनों के लिए कानून समान हों। ममता दीदी के बगावती तेवर वर्तमान समय की राजनीति का आईना हैं। केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए यह एक चेतावनी और चुनौती है। अगर लोकतांत्रिक संस्थाओं द्वारा अपने कर्तव्यों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच भेदभाव किया गया। इसका संतुलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है। न्याय पालिका की विश्वसनीयता भी धीरे-धीरे खत्म होती चली जा रही है। न्यायपालिका के निर्णय या तो टाल दिए जाते हैं या वह सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाते हैं। जिसके कारण अब विपक्ष के पास सड़कों पर आने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। जिस तरह से चुनाव आयोग का केंद्रीकरण हो गया है मतदाता सूची से लेकर मतदान तक की सारी प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से तय हो रही है। जांच एजेंसियां चुनाव के पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई शुरू करती हैं न्यायपालिका चुपचाप तमाशा देखती रह जाती है ऐसी स्थिति में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता दोनों ही खतरे में पड़ गई हैं। इसको बनाए रखने की जिम्मेदारी संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार की है। पश्चिम बंगाल में जो बगावती तेवर ममता दीदी ने दिखाए हैं। इसका असर अब संपूर्ण देश में देखने को मिल सकता है। विपक्षी दल लड़कर ही अपने आप को जिंदा रख सकते हैं। यदि वह डर गए तो उनका खत्म होना तय है। ममता दीदी का स्वभाव डरने वाला नहीं है इसलिए उन्होंने अपनी आक्रामकता दिखने में अब कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। देश की राजनीति और लोकतांत्रिक संघीय व्यवस्था में इसका व्यापक असर पढ़ना तय है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है।

हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है।

विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरूआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया। वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेजी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है।

सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता को कमजोर कर रहा है। हिन्दी के बहुआयामी एवं बहुतायत उपयोग में ही राष्ट्रीयता की मजबूती है, जीवन है, प्रगति है और शक्ति है किन्तु इसकी उपेक्षा में विनाश है, अगति है और स्खलन है। एथनोलॉग के वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण में बताया गया है कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, इनमें हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। हिंदी का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन यह भविष्य तभी साकार होगा जब हम स्वयं अपनी भाषा पर विश्वास करेंगे। विश्व हिंदी दिवस इसी संकल्प का दिन है कि हिंदी को विश्व में प्रतिष्ठित करने के साथ-साथ अपने ही घर में उसका सम्मान और अधिकार लौटाया जाए, क्योंकि जब भाषा सशक्त होती है, तब राष्ट्र की आत्मा भी सशक्त होती है।

ट्रंप के 500प्र. टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल, देखती रह जायेगी दुनिया

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है।

वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा। देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की

घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये।

देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है।

यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई।

वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं।

उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी।

साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है।

बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

पुलिस अधीक्षक ने आरटीसी कैंपस डिडौली का किया निरीक्षण

निरीक्षण कर संबंधित को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आरटीसी कैंपस डिडौली में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार स्क्वाड ड्रिल करवाई गयी एवं ड्रील की जानकारी भी दी। जहां यूपी 112 पीआरवी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई और देखरेख के बारे में दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों पर तैनात पुलिसकर्मियों से उनके उपकरणों और संचालन के बारे में

भी पूछताछ की गई। फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। उसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा आरटीसी कैंपस डिडौली का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद आरटीसी कैंपस डिडौली परिसर में स्थित विविध सुविधाओं जैसे– भोजनालय, जिमनेजियम, रीडिंग रूम (लाइब्रेरी), कैंटीन, मनोरंजन कक्ष, जिम, आरटीसी कार्यालय, कैश शाखा, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष एवं अन्य प्रशासनिक इकाइयों का क्रमबद्ध निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर की स्वच्छता, साफ-सफाई, व्यवस्थाओं की स्थिति एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का मूल्यांकन कर संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, शारीरिक दक्षता एवं मानसिक सजगता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया कि समस्त व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा पुलिस बल की दक्षता में निरंतर वृद्धि हो।

अपर जिलाधिकारी(वि/रा) की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी(वि/रा) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। एडीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। पर जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, सिंचाई, खनिज एवं ब आबकारी, अल्लोह खनन विद्युत

की कम वसूली होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। अपर जिलाधिकारी ने विविध देयों की मांग एवं वसूली की धनराशि से संबंधित चकबंदी देय, मोटर देय, विद्युत देय आदि कि खराब स्थिति होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिन विभागों के 90% से कम वसूली है उनको नोटिस जारी किया जाए। यदि आगामी बैठक में स्थिति नहीं सुधरती है तो विभाग को पत्र जारी किया जाएगा। इस अवसर पर समस्त तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा चेयरमैन ने फास्ट फूड के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

आम जनता को फास्ट-फूड के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में नगर पालिका चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने सभासदों व पालिका कर्मियों के साथ मिलकर फास्ट फूड के खिलाफ एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने हाथों में तख्तियां लेकर आम जनता को फास्ट फूड से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और स्वदेशी भोजन अपने का संदेश दिया।

बता दें कि शुक्रवार को मंडी धनौरा नगर पालिका में पालिका परिषद द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन कराया गया। जिसमें पालिका के चेयरमैन प्रवीण कुमार अग्रवाल ने सभासदों एवं पालिका कर्मियों के साथ मिलकर फास्ट फूड के खिलाफ हाथों में तख्तियां लेकर विरोध जताया और आम जनता से स्वदेशी

भोजन अपने का आग्रह किया। इस रैली का उद्देश्य आम जनता को फास्ट फूड से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करना रहा। रैली का नेतृत्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने किया जो स्वयं हाथों में तख्तियां लेकर लोगों को जागरुक कर रहे थे। इसके अलावा रैली में नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी और सभासद भी शामिल रहे। रैली के माध्यम से नगर वासियों से अपील की गई कि वह फास्ट फूड से दूरी बनाकर पारंपरिक और स्वदेशी भोजन को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। वक्ताओं ने बताया कि फास्ट फूड के अत्यधिक सेवन से मोटापा ,मधुमेह और हृदय रोग संबंधी जैसी कई गंभीर बीमारियां उत्पन्न होती हैं ।नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान जीवन शैली में फास्ट फूड का चलन बढ़ रहा है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है, उन्होंने जोर दिया कि स्वदेशी भोजन न केवल हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है बल्कि यह स्वस्थ और खुशहाल जीवन की नींव भी है ।

प्रवीण अग्रवाल ने नागरिकों से संतुलित और पौष्टिक भोजन अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर वरिष्ठ लिपिक उमेश कुमार सैनी, लेखाकार लिपिक सोनू पिवाल ,लिपिक आरती शर्मा ,सभासद दुलीचंद गिहार, निशांक यादव ,राजा मेंबर, इरशाद, भोला, सभासद राजू बादशाह ,राजीव उपाध्याय, देव अग्रवाल ,अमर सिंह प्रजापति ,मनोज एवं राजकुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनपद में राशन कार्ड धारकों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने हेतु अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जनपद के मुख्य राशन डीलरों एवं आपूर्ति निरीक्षकों की बैठक बुलाई गई। बैठक में उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुसार जनपद के सभी पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय राशन कार्ड धारकों के परिवार के एक सदस्य को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों में जोड़ने अथवा नवीन समूह बनाकर योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। आगामी वर्ष में समूह से जुड़ी 30,000 दीदियों को लखपति बनाना है तथा इसके लिए लक्ष्य भी आवंटित कर दिया गया है। बैठक में निर्देश दिया गया कि पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय राशन कार्ड धारकों के

परिवार से एक महिला सदस्य को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित समूहों से जोड़ा जाए। इसे अभियान के रूप में चलाते हुए जनवरी 2026 माह का लक्ष्य 16,000 कार्ड धारकों का रखा गया है। सभी राशन डीलरों एवं आपूर्ति निरीक्षकों को कार्ड धारकों को समूह से जोड़ने में पूर्ण सहयोग करने तथा समूह गठन की बैठकों में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गए, ताकि जनपद की समूह से जुड़ी महिलाओं को लखपति बनाया जा सके। जनपद में पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक 2,81,051 तथा अंत्योदय राशन कार्ड धारक 15,316 हैं। इनमें से 57,218 कार्ड धारकों के परिवार पहले से ही स्वयं सहायता समूहों से जुड़े हुए हैं, जबकि शेष 1,89,149 कार्ड धारक ऐसे हैं जिनके पास कार्ड तो है किंतु वे या उनके परिवार के सदस्य अभी समूह में नहीं जुड़े हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जिला पूर्ति अधिकारी एवं आपूर्ति निरीक्षकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम में निर्धारित राशन कार्ड धारकों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का लक्ष्य राशन डीलरवार निर्धारित करते हुए समीक्षा करें तथा समूह से पूर्ण आच्छादन के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, पूर्ति निरीक्षक और राशन डीलर सहित संबंधित उपस्थित रहे।

आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के संबंध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशनुसार अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में बैठक ली गई। बैठक में प्रभागीय वन अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन अमरोहा, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय अमरोहा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अमरोहा, जिला क्षय रोग अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हसनपुर के अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कारण बताओ जारी करने के निर्देश दिए। आईजीआरएस पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने पर अधिशासी अधिकारी, अमरोहा / हसनपुर/ धनौरा / गजरौला (विद्युत) अमरोहा, अधीक्षण अभियन्ता (विद्युत), अमरोहा, प्रभागीय वनाधिकारी, अमरोहा, अधिशासी अभियन्ता अमरोहा (सिचाई, जल संसाधन), जिला गन्ना अधिकारी, अगरोहा, मुख्य चिकित्साधिकारी,

अगरोहा, बेसिक शिक्षा अधिकारी अमरोहा, सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी, (प्रशासन), अमरोहा, सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अमरोहा, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, अमरोहा (उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन), अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, अमरोहा, जिला अल्पसख्यक कल्याण अधिकारी, अमरोहा, समस्त उपजिलाधिकारी, जनपद अमरोहा, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, जनपद अमरोहा, उपायुक्त (वाणिज्य कर), अमरोहा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अमरोहा, सहायक अभियंता (लघु सिचाई), अमरोहा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला चिकित्सालय, अमरोहा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, अगरोहा, औषधि निरीक्षक अमरोहा, परियोजना अधिकारी डूडा अमरोहा, तहसीलदार, हसनपुर, चकबन्दी अधिकारी हसनपुर, तहसीलदार, नौगावा सादात, सहायक आयुक्त एव सहायक निबंधक, सहकारिता, अमरोहा, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, अमरोहा, जिला आबकारी अधिकारी, अमरोहा, सामान्य प्रबन्धक (उद्योग), अमरोहा, जिला क्षय रोग अधिकारी, अमरोहा, अधिशासी अभियता (यात्रिकी), अमरोहा, बाल विकास परियोजना अधिकारी, हसनपुर, बाल विकास परियोजना अधिकारी, गगेश्वरी, प्रभारी चिकित्साधिकारी / अधीक्षक, गंगेश्वरी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, गजरौला सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), अमरोहा सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), हसनपुर प्रभारी चिकित्साधिकारी / अधीक्षक, जोया बाल विकास परियोजना अधिकारी, धनौरा बाल विकास परियोजना अधिकारी, जोया पूर्ति निरीक्षक, नौगावां सादात पूर्ति निरीक्षक, धनौरा अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, अमरोहा अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हसनपुर पशु चिकित्सा अधिकारी, हसनपुर जिला पूर्ति अधिकारी, अमरोहा क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड, अमरोहा / बिजनौर को कड़ी नाराज की व्यक्त करते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि निस्तारण उचित एवं गुणवत्ता पूर्ण हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए।

अपर जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए। प्रत्येक शिकायतकर्ता से वार्ता की जाए। मौके पर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर मौके के फोटोग्राफ्स लिए जाए। यदि शिकायतकर्ता संतुष्ट है तो उससे लिखित में हस्ताक्षर कराकर आख्या के साथ संलग्न करते हुए अपलोड किया जाए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह मसीहा नजम सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थिति रहे।

जिलाधिकारी ने की पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजनांतर्गत संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। निधि गुप्ता वत्स ने एसबीआई और केनरा बैंक द्वारा योजना के अंतर्गत लोन पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने और लापरवाही करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए फटकार लगाते हुए सुधार न करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीएम सूर्यघर योजना से संबंधित लोन पत्रावालियों को बैंक में अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। योजना के अंतर्गत जनपद को आंवटित लक्ष्य के सापेक्ष शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रेरित करते हुए ऑनलाईन पंजीकरण कराने के उपरान्त उन्हे शत-प्रतिशत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। सूर्यघर योजना से संबंधित लोन पत्रावालियों के शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश एलडीएम को दिए। डीएम ने सभी अधिकारियों को जनवरी माह

का निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा कि जिनका पंजीकरण हो गया है उनके शत प्रतिशत सोलर सिस्टम इंस्टॉल कराने के निर्देश दिए। इसके साथ और अधिक से अधिक नए पंजीकरण कराने के भी निर्देश दिए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अधिकारी सैदनगली का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। बैंक से सम्बंधित प्रकरणों के निस्तारण के लिए बैंको की अलग से बैठक कराने के भी निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिल सकता है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https://pmsuryaghar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी पीओ नेडा मसीहा नजम, एलडीएम सहित विद्युत विभाग, अन्य विभागीय अधिकारी एवं वेंडर्स उपस्थित रहे।

नाजरपुर कला में ग्राम चौपाल का आयोजन, सीडीओ ने योजनाओं की दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड अमरोहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत नाजरपुर कला में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने की। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए, जहां सीडीओ ने उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को विस्तार से बताया।सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्रा ने ग्रामीणों को ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत रोजगार बढ़ावा देने, आयुष्मान भारत योजना से जुड़े आयुष्मान कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन

तथा बाल कल्याण संबंधी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊंचा उठ सकता है। साथ ही, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक और अन्य प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें और उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं। कार्यक्रम में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने के लिए सभी उपस्थित ग्रामीणों को शपथ दिलाई गई। इसके पश्चात सीडीओ ने गांव में नवनिर्मित अन्नपूर्णा भवन का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया, जिससे ग्रामीणों को सामुदायिक सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, परियोजना निदेशक अमरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी शिखा शर्मा तथा ब्लॉक विकास अधिकारी नीरज गर्ग , एडीओ पंचायत सतेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गजरौला में प्रदूषण जांच के लिए छः सदस्यीय टीम का गठन,

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी (डीएम) निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर प्रदूषण की जांच के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति नेशनल हाईवे-9 पर स्थित औद्योगिक नगरी गजरौला की फैक्ट्रियों से हो रहे प्रदूषण की जांच करेगी। बता दें कि भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) के कार्यकर्ता और पदाधिकारी गजरौला की फैक्ट्रियों से निकलने वाले प्रदूषित पानी और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ लंबे समय से अनिश्चितकालीन धरने पर हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम निधि गुप्ता वत्स ने संज्ञान लिया। शुक्रवार को उनके आदेश पर एसडीएम धनौरा विभा श्रीवास्तव के नेतृत्व में यह जांच

समिति गठित की गई है ।प्रशासन ने उन गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की हैं, जहां प्रदूषण और गंदे पानी के कारण बीमारियों की शिकायतें मिली हैं। गठित समिति यह जांच करेगी कि प्रदूषण किन-किन फैक्ट्रियों से हो रहा है और इसके पीछे क्या कारण हैं ।जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस कदम से धरना दे रहे किसानों और स्थानीय लोगों में समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद जगी है। भाकियू संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि जब तक पानी पीने लायक नहीं हो जाता और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

पत्नी ने प्रेमी और भाई के साथ मिलकर पति की की निर्मम हत्या

शव को सड़क हादसे का रूप देने की गई थी कोशिश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले के थाना जुनावई क्षेत्र में एक प्रेम प्रसंग से जुड़ा हत्याकांड सामने आया है। पुलिस ने मात्र कुछ दिनों में मामले की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक की पत्नी नेहा गौतम, उसके प्रेमी रंजीत और भाई अरुण को गिरफ्तार कर लिया है। यह वारदात प्रेम संबंध और पारिवारिक विवादों से उपजी बताई जा रही है। आपको बता दें घटना 1 जनवरी 2026 को ग्राम पूरन पट्टी के पास एक अज्ञात पुरुष का शव मिला था। शुरूआत में इसे हादसा समझा गया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत, टूटी पसलियां और क्षतिग्रस्त लीवर पाया गया, जिससे हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने शव की पहचान सनी पुत्र हीरा लाल (निवासी

ओढपुरा, थाना हाथरस गेट, जिला हाथरस) के रूप में की। सनी की पत्नी नेहा गौतम और उसके भाई महादेव सिंह ने शिनाख्त की पुष्टि की। जांच में सामने आया कि सनी शराब और जुए का आदी था। उसकी गलत आदतों के कारण कई बार जेल जाना पड़ा और घर का सारा सामान बेचना पड़ा। पति-पत्नी किराए के मकान में रहने लगे, लेकिन किराया न चुकाने पर बार-बार निकाले जाते थे। लगभग 4 साल पहले नेहा की मुलाकात रंजीत पुत्र कौजीराम (निवासी ग्राम सैमला करनपुर, थाना जुनावई) से हुई, दोनों में प्रेम संबंध हो गया। नेहा रंजीत के साथ चली गई, लेकिन सनी के परेशान करने पर वापस लौटी। सनी द्वारा नेहा और उसके परिजनों पर लगातार मारपीट और उत्पीड़न जारी रहा। तंग आकर नेहा ने अपने भाई अरुण और प्रेमी रंजीत के साथ मिलकर सनी को मारने की योजना बनाई। 30 दिसंबर को नेहा ने रंजीत को कासगंज बुलाया। 1 जनवरी को नेहा ने सनी को काम के बहाने घर बुलाया। अरुण को शराब के लिए पैसे दिए गए। रंजीत और अरुण ने सनी को शराब पिलाई, फिर रस्सी से गला घोंटा और डंडे-लात-घूंसे से जमकर पिटाई की (पत्नी की पुरानी मारपीट का बदला लेने के लिए)। शव को जलाने की कोशिश की गई, लेकिन माचिस न मिलने से असफल रहे। शव को सड़क हादसे का रूप देने के लिए मोटरसाइकिल पर लादा, लेकिन दूध की DCM आने पर कच्चे रास्ते पर फेंक दिया। पहचान छिपाने के लिए शव की पैंट उतारकर तलाशी ली गई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के नेतृत्व में थाना जुनावई की टीम ने अभियान चलाया। शुक्रवार को तीनों वांछित/वारंटी अभियुक्तों - अरुण (कासगंज), रंजीत (जुनावई) और नेहा गौतम को गिरफ्तार किया गया। सभी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। यह मामला प्रेम संबंधों में उलझे पारिवारिक विवादों का एक दर्दनाक उदाहरण है, जहां बदले की भावना ने एक जान ले ली। पुलिस जांच जारी है।

डेढ़ बीघा जमीन और 1 लाख की कमाई, यूपी के किसान ने गेहूं-धान छोड़ की ये खेती तो चमक गई किस्मत

बहजोई (संभल। जिले के ग्रामीण इलाकों में खेती के तौर-तरीकों में बदलाव साफ नजर आने लगा है और जागरूक किसान अब पारंपरिक फसलों की जगह नकदी और बागवानी फसलों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में स्थायी बढ़ोतरी हो रही है। धनारी क्षेत्र के गांव कल्हा में एक किसान ने इस बदलाव को अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई है बल्कि अन्य किसानों के लिए भी उदाहरण प्रस्तुत किया है। धनारी क्षेत्र के कल्हा गांव निवासी किसान विजयपाल यादव ने वर्ष 2019 में अपने गांव के ही निकट लगभग डेढ़ बीघा भूमि पर नींबू की बागवानी शुरू की थी। उस समय पारंपरिक खेती से सीमित आमदनी मिलने के कारण उन्होंने नई फसल अपनाने का निर्णय लिया। शुरूआती वर्षों में पौधों की देखभाल,

सिंचाई और खाद पर ध्यान दिया गया और वर्ष 2022 में बड़ी मात्रा में नींबू आने शुरू हो गए। वर्तमान में मौसमी तौर पर नींबू का उत्पादन होता है और हर वर्ष 35 क्विंटल से अधिक नींबू की पैदावार हो रही है। इस उत्पादन को विजयपाल यादव स्थानीय मंडी में ही आपूर्ति कर देते हैं, जिससे उन्हें डेढ़ बीघा भूमि से प्रतिवर्ष करीब एक लाख रुपये तक की आमदनी हो जाती है, जबकि इतनी भूमि से गेहूं या अन्य पारंपरिक फसलों में यह आमदनी संभव नहीं हो पाती थी। नींबू की खेती में लागत कम होने, मेहनत अपेक्षाकृत कम लगने और बाजार में मांग बने रहने से यह खेती उनके लिए फायदे का सौदा साबित हुई है और अब आसपास के किसान भी इस बागवानी को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। सही जानकारी, धैर्य और बाजार की मांग को समझकर की गई बागवानी किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत जरिया है और यदि किसान पारंपरिक खेती के साथ बागवानी को जोड़ें तो कम जमीन में भी बेहतर और स्थायी आमदनी हासिल की जा सकती है। - विजयपाल यादव, किसान।

बहजोई पुलिस ने दो चोर किए गिरफ्तार, जनता के सहयोग से पकड़े गए

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी दिखाई है। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बहजोई की पुलिस टीम ने दो आरोपियों को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्त में अभिषेक पुत्र बिल्ला,लक्की पुत्र गब्बर दोनों निवासी मोहल्ला गिहार बस्ती, बहजोई शामिल हैं। गुरुवार को क्षेत्रांतर्गत ग्राम ढकारी निवासी सत्यप्रकाश शर्मा पुत्र बाबूराम शर्मा के खेत में बने ट्यूबवेल पर अभियुक्त लक्की और अभिषेक कंबल डालकर पंखे की कॉइल और लगभग 20 किलोग्राम वजन का एक पाइप पुल चुराते हुए पकड़े गए।

सत्यप्रकाश शर्मा ने मौके पर शोर मचाया, जिसके बाद खेतों में काम कर रहे लोगों ने मदद की और दोनों आरोपियों को दबोच लिया। इसके बाद पुलिस की मदद से अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे दोनों रोजाना इधर-उधर घूमकर कचरा बीनते हैं और रेकी करके चोरी की जगहें चिन्हित करते हैं। मौका मिलते ही कंबल डालकर सामान चुरा लेते हैं। अभियुक्तों ने बताया कि करीब 3 महीने पहले ग्राम चौपा शोभापुर के बाजार के पीछे बाग के किनारे एक परचून की दुकान में रात के समय कंबल डालकर चोरी की थी। उसमें आधी कट्टा चीनी, कुछ रिफाइंड तेल के पैकेट, बीड़ी के बंडल, एक टिन डालडा घी और दुकान से 300-400 रुपये नकद चुराए थे। चोरी का सामान घर ले जाकर इस्तेमाल कर लिया और नकद राशि आपस में बांट ली। इस घटना में थाना बहजोई पर पहले से ही मुकदमा दर्ज है। दोनों अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

यह सफलता जनता के सहयोग और पुलिस की सतर्कता का बेहतरीन उदाहरण है। संभल पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार सक्रिय अभियान चला रही है, जिससे इलाके में अपराध पर अंकुश लगा है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

गेहूं गबन के मामले में तत्कालीन जिला आपूर्ति अधिकारी सहित 4 पर केस दर्ज,विभागीय जांच शुरू

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- अमरोहा में गेहूं गबन एवं फर्जी तरीके से नीलामी कर ड्ट70 हजार हड़पने के मामले में तत्कालीन जिला आपूर्ति अधिकारी सहित चार लोगों पर केस दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर किया गया है। बता दें कि यह मामला राजपुर थाना क्षेत्र के अतरासी कलां निवासी किसान मेहताब से संबंधित है। इस मामले में बताया जा रहा है कि मेहताब अपनी बेटी की शादी के लिए 28 नवंबर 2024 को गजरौला मंडी में गेहूं बेचने जा रहे थे रजबपुर थाने से पहले हाईवे पर पूर्ति निरीक्षक अमरोहा ने उनकी गाड़ी रोक ली और कथित तौर पर अनुचित लाभ की मांग की। जब महताब ने उनकी बात नहीं मानी तो वह गाड़ी सहित उसके साथियों को रजबपुर थाने ले गए। इसके बाद मेहताब के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज की गई ,इस दौरान पूर्ति निरीक्षक शौदान सिंह और उनके

साथी संजय मिश्रा ने मेहताब की मौजूदगी में गेहूं को धर्म कांटे पर तोला ,मेहताब का आरोप है कि गेहूं का वजन 119 क्विंटल 50 किलो था, लेकिन अधिकारियों ने प्राथमिकी में केवल 100 कुंतल गेहूं दशार्या, उनकी गाड़ी में 200 बोरे थे जिनमें प्रत्येक बोर में 60 किलो गेहूं था किसान ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों ने 19 कुंतल 50 किलो गेहूं का गबन कर लिया।इस मामले में विवेचक ने अमरोहा मंडी समिति अरविंद कुमार को रिपोर्ट भेजी जिसके बाद मंडी सचिव ने 9 अप्रैल 2025 को नोटिस जारी किया ,पीड़ित महताब ने इसका स्पष्टीकरण दिया। बाद में महताब ने अपना गेहूं जारी करने के लिए 19 में 2025 को न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल किया ,मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने रजबपुर पुलिस को जिला पूर्ति अधिकारी मंडी सचिव अरविंद कुमार, जिला आपूर्ति निरीक्षक शोदान सिंह व सहायक पूर्ति निरीक्षक संजय मिश्रा के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिक की दर्ज करने का आदेश दिया है। इस मामले में सीओ सिटी अभिषेक यादव ने पुष्टि करते हुए बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

कवि अतुल कुमार शर्मा को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों के लिए किया गया सम्मानित

संभल(सब का सपना):- दुर्गा कॉलोनी स्थित सुनीता यादव के सभागार में आयोजित विशेष समारोह में अतुल कुमार शर्मा को चांदी का मुकुट पहनाया गया, साथ ही श्रीमद् भगवद् गीता, शील्ड, कल्कि भगवान का चित्र, माल्यार्पण और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका भावपूर्ण अभिनंदन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए हिन्दू जागृति मंच के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल ने कहा कि अतुल कुमार शर्मा ने हिन्दी साहित्य जगत में अपनी दिव्य प्रतिभा से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संभल का नाम रोशन किया है। वे एक सिद्धहस्त कवि एवं व्यंग्यकार के रूप में स्थापित हो चुके हैं। हिन्दू जागृति महिला मंच की जिलाध्यक्ष मीनू रस्तोगी ने उनकी कविताओं की विशेषता बताते हुए कहा कि अतुल का काव्य पाठ समाज की विसंगतियों पर करारा प्रहार करता है और साथ ही सकारात्मकता व सद्प्रेरणा का संदेश भी देता है। उनकी रचनाएँ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने के साथ कुशल मार्गदर्शन भी प्रदान करती हैं। प्रदेश महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता ने अतुल कुमार शर्मा की सामाजिक,

साहित्यिक, शैक्षिक एवं आध्यात्मिक योगदान की सराहना की। उन्होंने बताया कि अतुल जी विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से समाज, राष्ट्र एवं धर्म जागरण में निरंतर सक्रिय हैं। समारोह में विशेष रूप से 4 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय काव्य संगम महोत्सव की सफलता का श्रेय भी अतुल कुमार शर्मा को दिया गया। इस 16 घंटे से अधिक समय तक चले महोत्सव में कई राज्यों के साहित्यकारों ने भाग लिया था, जिसने संभल को साहित्यिक नक्शे पर और मजबूती से स्थापित किया। सम्मान समारोह में उमेश श्रीमाली, पीयूष कुमार, अजय कुमार शर्मा, रुपाली गुप्ता, सुमन शर्मा, चारु यादव, सुनीता यादव, सुभाष मोंगिया, सुभाष चंद्र शर्मा और सुमन लता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अतुल जी को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा ने की, जबकि संचालन सुबोध कुमार गुप्ता ने कुशलतापूर्वक किया। यह सम्मान न केवल अतुल कुमार शर्मा की व्यक्तिगत प्रतिभा का सम्मान है, बल्कि संभल के साहित्यिक गौरव को भी राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने वाला महत्वपूर्ण क्षण रहा।

संभल की सियासत में 'बाहुबली' की एंट्री, क्या जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर होगी डीपी यादव की नजर?

बहजोई। अगले वर्ष संभावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की आहट के साथ ही जनपद में जिला पंचायत चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की तैयारियों के बीच जिले के 35 जिला पंचायत वार्डों को केंद्र में रखकर गांवों से लेकर कस्बों तक राजनीतिक गतिविधियां खुलकर सामने आने लगी हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर सत्ताधारी और विपक्षी दलों में अंदरखाने रणनीतियां बन रही हैं और संभावित दावेदारों ने अभी से जमीन पर सक्रियता बढ़ा दी है।जिला पंचायत चुनाव को लेकर तैयारी केवल बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंटरनेट मीडिया, व्यक्तिगत संपर्क, वार्ड स्तर की पंचायतें और प्रचार गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। मौजूदा विधायक, पूर्व विधायक, विभिन्न दलों के जिलाध्यक्ष और संगठनात्मक पदाधिकारी वार्डवार गणित बैठाने में लगे हैं और समर्थित चेहरों को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम चल रहा है। हर बार की तरह इस बार भी लोकप्रियता के साथ जातिगत संतुलन जिला पंचायत चुनाव में निर्णायक

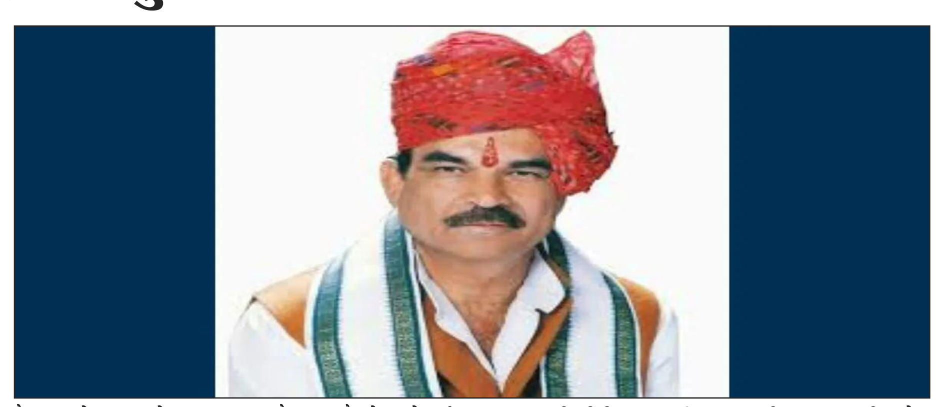

फैक्टर के रूप में उभर रहा है। प्रत्येक वार्ड में यह आकलन किया जा रहा है कि किस वर्ग का वोट प्रभावी रहेगा और उसी आधार पर संभावित प्रत्याशियों की दिशा तय की जा रही है। बाहुबली डीपी यादव के भी पोस्टर आने लगे नजर राजनीतिक पार्टी समीकरण भी बेहद अहम हो गए हैं, क्योंकि कई वार्डों में एक ही दल के भीतर एक से अधिक दावेदार सामने आ चुके हैं, जिससे अंदरूनी खींचतान की स्थिति बनती नजर आ रही है। बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर और बैनर दिखने लगे हैं। इसी बीच सियासी हलकों में उस समय हलचल और तेज हो गई, जब बाहुबली डीपी यादव के भी पोस्टर और बैनर अलग-अलग इलाकों में नजर आने लगे। भले ही डीपी यादव की ओर से अभी कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई हो, लेकिन उनके नाम और तस्वीरों की मौजूदगी को जिला पंचायत अध्यक्ष की दावेदारी से जोड़कर देखा जा रहा है और माना जा रहा है कि इससे मौजूदा सियासी समीकरणों में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से संगठनात्मक स्तर पर साफ निर्देश जारी किए गए हैं कि कोई भी कार्यकर्ता खुद को पार्टी प्रत्याशी घोषित नहीं करेगा और केवल संभावित प्रत्याशी शब्द का ही प्रयोग करेगा। वहीं भाजपा में भी हलचल तेज है, जहां गुन्नौर, चंदौसी, संभल और असमोली विधानसभा क्षेत्रों में दिग्गज नेता वार्ड स्तर पर संतुलन साधने में जुटे हैं और अपने-अपने समर्थकों को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। कुल मिलाकर जिला पंचायत चुनाव अब केवल स्थानीय राजनीति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के नजरिए से भी देखा जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में सियासी गर्मी और तेज होने के आसार हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निभाएंगी अहम भूमिका

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन में चल रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकताओं को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण ब्लॉक सभागार पंवासा में जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार की मौजूदगी में आयोजित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देश पर हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकताओं को बाल विवाह रोकथाम में प्रमुख हितधारक के रूप में तैयार करना था। प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकताएं समाज के अंतिम छोर तक पहुंच रखती हैं, इसलिए ये बाल विवाह रोकने की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। बाल कल्याण समिति के गौरव शर्मा ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की

प्रमुख बातें समझाईं। उन्होंने बताया कि बाल विवाह के आयोजन में शामिल हर व्यक्ति–चाहे वह पंडित हो, नाई, हलवाई, टेंट वाला या कोई अन्य सेवा प्रदाता–दंड का भागीदार बन सकता है। इसमें दो साल तक की कैद, एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों सजा हो सकती है। थाना एएचटी के उपनिरीक्षक बाबू राम सैनी ने बाल विवाह के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कम उम्र में शादी से बच्चियों का शारीरिक व मानसिक विकास रुक जाता है, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए बाल विवाह को एक गंभीर सामाजिक बुराई बताया। उन्होंने कहा कि इसे जड़ से खत्म करने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर काम करना होगा। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह न करने और इसे रोकने की शपथ दिलाई गई। इस प्रशिक्षण सत्र में गौरव गुप्ता, बाबू राम सैनी, कांस्टेबल मयंक, महिला कांस्टेबल स्वेता, फील्ड कोर्डिनेटर सिराज अहमद, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नईम अख्तर, शबाना सहित जिले की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकताएं मौजूद रहीं। यह प्रयास केंद्र सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का हिस्सा है, जो 27 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक चलने वाले 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान के अंतर्गत संचालित हो रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से जिले में बाल विवाह की इस कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

धनौरा में विश्व हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर साहित्यिक संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

एसडीएम विभा श्रीवास्तव 'हिन्दी भाषा' को बताया भारत की आत्मा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में विश्व हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने एक साहित्यिक संगोष्ठी और कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इस अवसर पर विभिन्न साहित्यकारों को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया।बता दें कि नगर के बाईपास मार्ग स्थित एक मांगलिक संस्थान में शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व परिवहन मंत्री अशोक कटारिया के पिता प्रधान रुमाल सिंह कटारिया और उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने कहा कि 'आत्मबोध से विश्वबोध' भारत की अनुपम विरासत है और हिंदी भारत की आत्मा है, जो विश्व में तेजी से बढ़ रही भाषा है। इसके अलावा जनपद

के विभिन्न अंचलों से आए कवियों ने हिंदी की महिमा का वर्णन किया। साहित्यकार बांकेलाल सारस्वत ने स्वयं को हिंदी का प्रबल पुजारी बताया। क्रांतिकारी कवि विमल किशोर वंदेमातरम् ने अपनी रचनाओं से भारतीय बोध को उद्घाटित किया और सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।युवा कवि एवं गजलकार हर्ष अमरोही ने अपनी रचनाओं से युवाओं को हिंदी से जोड़ा, जबकि सफर अमरोही ने भारतीय संस्कृति व परंपराओं को अपनी रचना का आधार बनाया और हिंदी को भारत की जनभाषा बताया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ज़िलाध्यक्ष डॉ. यतींद्र कटारिया ने सभी से वाणी और व्यवहार में हिंदी को सर्वोपरि रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन हर्ष अमरोही ने किया। इस दौरान डॉ. आदित्य चौहान, प्रशांक त्यागी, नरेंद्र कटारिया, हरिओम त्रिवेदी, सूरज अग्रवाल, सुमित नागर, सर्वेश शर्मा, राजेंद्र सिंह सैनी, योगेश चौधरी, आदि देवव्रत यादव, विमल कुमार और राहुल शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिख गुरु का अपमान मामले में विवादों में घिरी आतिशी, बीजेपी ने एएपी पर सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। बीजेपी ने आम आदमी पार्टी (एएपी) के ऑफिस के पास विरोध प्रदर्शन किया और दिल्ली विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष की नेता आतिशी पर एक सिख गुरु का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने एएपी नेता से माफी मांगने की मांग की। एक वीडियो क्लिप के आधार पर, बीजेपी नेता आतिशी पर विधानसभा में एक सिख गुरु का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं। इस मुद्दे की वजह से दो दिनों तक विधानसभा सत्र बाधित रहा। शुक्रवार को बीजेपी नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। दिल्ली बीजेपी की सिख सेल के नेतृत्व में, कार्यकताओं ने एएपी ऑफिस के पास विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने एएपी ऑफिस की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। विरोध प्रदर्शन में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, सांसद कमलजीत सहरावत, विधायक अरविंदर सिंह लवली, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह, दिल्ली बीजेपी के महासचिव विष्णु मित्तल, साथ ही सिख सेल के कई पदाधिकारी और अन्य बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर माफी नहीं मांगी गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

कुत्तों का शिकार बने बुजुर्ग की हुई पहचान, नशे की लत ने अपनों से दूर कर मौत के करीब धकेला

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-19 में आवारा कुत्तों के झुंड द्वारा नोच-नोचकर मार डाले गए बुजुर्ग की पहचान पुलिस ने कर ली है। मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है, जिसका परिवार द्वारका के ही अम्बराई गांव में रहता है। पहचान होने के बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बृहस्पतिवार तड़के मृतक का परिवार अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर अपने पैतृक निवास सीतापुर (उत्तर प्रदेश) के लिए रवाना हो गया। वहीं, जांच में सामने आया कि राजू दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था, लेकिन उसे शराब की गंभीर लत थी। वह अपनी सारी कमाई नशे में उड़ा देता था, जिसके कारण घर में अक्सर झगड़े होते थे। पत्नी की रोक-टोक और पारिवारिक कलह से परेशान होकर राजू करीब डेढ़ साल पहले घर छोड़कर निकल गया था और तब से सड़कों व फुटपाथों पर ही रह रहा था। राजू के परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे हैं। दो बड़ी बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि उसका एक 7 से 8 साल का बेटा है। राजू के घर छोड़ने के बाद उसकी पत्नी सेक्टर-11 की एक सोसाइटी में घरेलू सहायिका का काम कर किसी तरह अपने मासूम बेटे का पालन-पोषण कर रही थी। बता दें कि मंगलवार देर रात द्वारका सेक्टर-19 स्थित सेंट मैरी स्कूल के पीछे कुत्तों के एक झुंड ने राजू पर हमला कर दिया था। जान बचाने के लिए वह पास के पार्क में कूदा, लेकिन कुत्तों ने उसे घेरकर नीचे गिरा दिया और शरीर के कपड़े तक फाड़ डाले। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजू को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पहचान पत्र न होने के कारण शुरूआती जांच में शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस जानकारी जुटाते हुए बुधवार रात उसके परिवार का पता लगाकर उन तक पहुंच गई। बाद में बुजुर्ग के शव को उन्हें सौंप दिया।

दिल्ली के सैय्यूरपुर गांव में बड़ी कार्रवाई, डीडीए की 15 बीघे जमीन से हटा अतिक्रमण

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में दक्षिणी जिला स्थित सैय्यूरपुर गांव में डीडीए की ओर से अधिग्रहित 15 बीघे जमीन पर अवैध अतिक्रमण पर बुधवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। जिलाधिकारी लक्ष्य सिंघल के निर्देश पर टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। लंबे समय से इस अधिग्रहित भूमि पर कब्जे के कारण प्रशासनिक बाधाएं हो रही थीं। डीएम कार्यालय ने पुलिस बल एवं संबंधित विभागों की मौजूदगी में कार्रवाई को शांतिपूर्ण ढंग से अंजाम दिया। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। अतिक्रमण हटाने के बाद उक्त जमीन को विधिवत रूप से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को सौंप दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में स्थित समस्त अधिग्रहित सरकारी भूमि को सख्ती से कब्जा मुक्त कराया जाएगा तथा उसका उपयोग नियमानुसार सुनिश्चित किए जाएंगे।

'60% हैंडीकैप इंसान हूं, यह जॉब मेरे, कोर्ट के अहलमद ने मरने से पहले सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

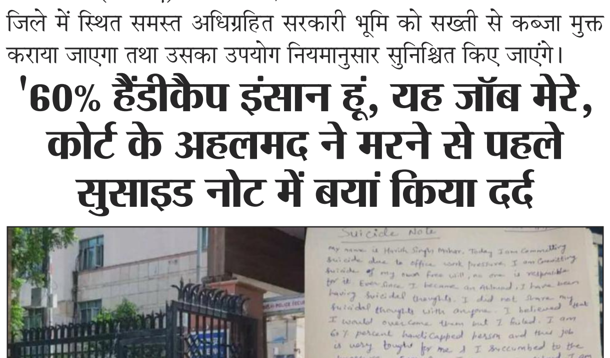

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के साकेत कोर्ट में आज शुक्रवार को एक हैरान करने वाली घटना घटी। अदालत में अहलमद (क्लर्क) के पद पर काम करने वाले हरीश सिंह महार नाम के शख्स ने बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। वहीं, आनन-फानन में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। इसके साथ ही पुलिस ने मौके एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। इस सुसाइड नोट में कोर्ट के कर्मचारी ने इस कदम के उठाने की वजह भी बताई है। सभी बिंदुओं की गहनता से जांच कर रही पुलिस दिल्ली पुलिस अभी इस मामले में सभी बिंदुओं की गहनता से जांच कर रही है। हालांकि, मृतक ने सुसाइड नोट में खुद की मौत का जिम्मेदार किसी को नहीं ठहराया है। अहलमद का कोर्ट में क्या काम होता है? बताना जरूरी होगा कि अदालत में अहलमद पद पर कार्यरत व्यक्ति कोर्ट में क्लेरिकल काम करता है। जब कोर्ट से कोई नोटिस भेजा जाता है तो उस काम में भी अहलमद की अहम भूमिका होती है। अहलमद के पास कोर्ट की फाइलों का सभी रिकॉर्ड होता है।

दिल्ली में जल संकट की क्या है बड़ी वजह, विधानसभा में मंत्री प्रवेश वर्मा गिनाने लगे कारण

नई दिल्ली। राजधानी में गंदे और दूषित पानी की शिकायतें बढ़ने के बीच जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने विधानसभा में स्पष्ट किया कि दिल्ली में जल प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पुरानी और टूटी हुई पाइपलाइनें हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को यह पूरी व्यवस्था पिछली सरकार से विरासत में मिली है, जिसमें सुधार करना आसान नहीं है। उनके अनुसार दिल्ली में लगभग 5,200 किलोमीटर पाइपलाइनें ऐसी हैं, जिन्हें बदले बिना साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना मुश्किल है। 30-40 साल पुरानी पाइपलाइनों से सप्लाई मंत्री ने बताया कि दिल्ली में

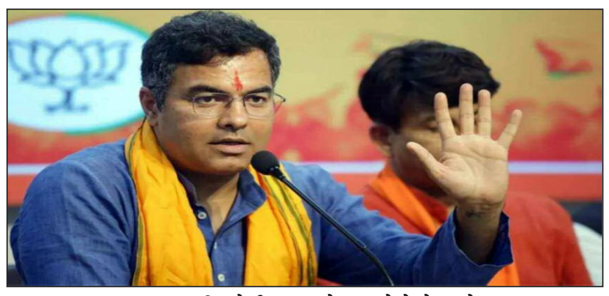

कुल लगभग 16,000 किलोमीटर पाइपलाइनें बिछी हुई हैं, जिनमें से कई इलाकों में पाइपलाइनें 30 से 40 साल पुरानी हैं। इन पाइपलाइनों में जगह-जगह रिसाव है और कई जगह सीवर लाइनें इनके साथ मिल जा रही हैं, जिसके कारण पानी दूषित होकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि राजधानी के कई हिस्सों में बार-बार गंदे पानी की शिकायतें सामने आती रहती हैं। 7200 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी प्रवेश वर्मा ने कहा कि सरकार ने पिछले 11

जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने विधानसभा में बताया कि दिल्ली में जल प्रदूषण का मुख्य कारण पुरानी और टूटी पाइपलाइनें हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 5,200 किलोमीटर पाइपलाइनें बदलने की जरूरत है। सरकार ने 7,200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिनका लक्ष्य पुरानी पाइपलाइनों को बदलना और 24 घंटे साफ पानी सुनिश्चित करना है।

महीनों में जल विभाग से जुड़े 7,200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का लक्ष्य पुरानी पाइपलाइनों को बदलना, पानी का सही वितरण करना और नई तकनीक के जरिए 24 घंटे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के करीब 20 विधानसभा क्षेत्रों में पुरानी पाइपलाइनों को बदलने का काम पहले ही शुरू हो चुका है, जबकि बाकी इलाकों में भी जल्द ही काम शुरू होगा। पिछली सरकार को घेरा मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान जाइका और एडीबी जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं वर्षों तक लटकी रहीं। उनके अनुसार यदि ये प्रोजेक्ट समय पर शुरू हो जाते, तो आज दिल्ली में जलदूषण की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने इन योजनाओं को दोबारा शुरू किया है और अब काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। साफ जल, सरकार की पहली प्राथमिकता प्रवेश वर्मा ने आश्वासन दिया कि जल्द ही दिल्लीवासी बदलाव महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि पुरानी जल व्यवस्था को सुधारने में समय लगेगा, लेकिन सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि लोगों को साफ पानी मिले। वर्मा ने यह भी कहा कि जलदूषण पर नियंत्रण करना सरकार की पहली प्राथमिकता है और आने वाले समय में गंदे पानी की शिकायतों में कमी देखने को मिलेगी।

सिख गुरुओं के अपमान पर आतिशी घिरीं, नेशनल अकाली दल ने की सदस्यता रद करने की मांग

नई दिल्ली। सिख गुरुओं के कथित अपमान पर दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री व विधायक आतिशी घिरती जा रही हैं। दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान उनकी कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय के घेराव के बीच सिख संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है। नेशनल अकाली दल ने उनके बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए दिल्ली विधानसभा से उनकी विस सदस्यता रद करने की मांग की है। अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने गुरुओं गुरु पर दिए गए उनके बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उनके इस दुस्साहस से सिख समाज में काफी रोष है। आतिशी द्वारा दिया गया बयान

सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है, जिसे सिख कौम कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी ने धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली में बलिदान दी थी। पद से इस्तीफा दें आतिशी - परमजीत सिंह पम्मा दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता द्वारा गुरु साहिब के प्रति अत्यंत अपमानजनक शब्दावली का प्रयोग करना जहां दुर्भाग्यपूर्ण है, वहीं यह आम आदमी पार्टी की सोच का भी प्रतीक है। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा इसके लिए आतिशी को जल्द ही सिख समाज से माफी मांगनी चाहिए और अपने पद से त्यागपत्र दें। पम्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि अन्यथा नेशनल अकाली दल उनका तीव्र विरोध करेगा। पम्मा ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से निवेदन किया है कि आतिशी की सदस्य रद कर देनी चाहिए। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा बड़े दुख की बात है आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल इस मुद्दे पर चुप बैठे हुए हैं। उनकी यह चुप्पी पूरी पार्टी को भारी पड़ने वाली है।

शादी का झांसा देकर तीन साल तक लूटी आबरू, युवती की आपबीती सुन उड़े पुलिस के होश

पलवल। पलवल के चांदहट थाना क्षेत्र में एक युवती से शादी का झांसा देकर पिछले तीन वर्षों से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चांदहट थाना अंतर्गत एक गांव की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि तीन वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के गांव महींदपुर खादर के रहने वाले जाकिर का उसके घर आना-जाना शुरू हुआ था। आरोपी ने पीड़िता का मोबाइल नंबर लिया और उससे बातें करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि जाकिर ने उसे शादी का झांसा देकर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोपी पिछले तीन साल से खेतों में बने कोठड़े (कमरे) में उसके साथ लगातार दुष्कर्म करता रहा। जब भी युवती ने शादी का दबाव बनाया, वह टाल-मटोल करता रहा शिकायत के अनुसार, जब पीड़िता ने शादी के लिए अंतिम बार कहा, तो आरोपी ने साफ इनकार कर दिया। विरोध करने पर आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। इसके बाद पीड़िता ने आठ जनवरी को अपनी लिखित शिकायत पुलिस में दी।

क्या दिल्ली की महिलाओं को मिलेंगे 2500 प्रति माह और 500 में गैस सिलेंडर? सीएम रेखा गुप्ता ने दिया अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सवाल पर कहा कि हम अपनी पार्टी के चुनाव घोषणापत्र के हर बिंदु पर 100 प्रतिशत काम करेंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 2500 रुपये मिलेंगे और 500 में गैस सिलेंडर भी मिलेगा। उन्होंने विपक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि आप लोग जो हजारों करोड़ की देनदारियां छोड़ गए हैं, अभी हम उन्हें ही भरने लगे हैं। सीएम ने कहा कि पूर्व की सरकार हमें यह बताकर नहीं गई थी कि हजारों करोड़ का बकाया भी इस सरकार को ही देना है। 100 अटल कैंटीन का वादा होगा पूराः

रेखा गुप्ता सीएम ने कहा कि शपथ ग्रहण के तुरंत बाद आयुष्मान भारत जैसी बड़ी योजना को उसी दिन कैबिनेट बुला कर अप्रूव किया गया। 11 महीने में 4 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। इसके अलावा वय वंदना योजना के तहत 2 लाख से ज्यादा बुजुर्गों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। हमने 100 अटल कैंटीन बनाने का वादा किया था। अब तक 45 बन चुकी हैं और बाकी 55 भी रेखा गुप्ता सरकार बनाकर देगी। दिव्यागों को 6000 रुपये की आर्थिक सहायताः रेखा गुप्ता सीएम गुप्ता ने कहा कि हम दिल्ली में दिव्यांगजनों को 6000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक नई योजना लेकर आए। उन्होंने कहा कि पहली बार दिल्ली का अपना पब्लिक अकाउंट बनाया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन साइन कर उन्हें आधिकारिक बैंकिंग एजेंट बनाया गया है। अब कम ब्याज दर पर विकास कार्यों के लिए ऋण उपलब्ध हो सकेगा। अब दिल्ली में कोई भी काम बजट की कमी के कारण न अटकेगा, न लटकेगा, न भटकेगा।

दिल्ली विधानसभा में जमकर हंगामा, एएपी विधायक जरनैल सिंह और कुलदीप किए गए मार्शल आउट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में शीतकालीन सत्र के पांचवें दिन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा करने की कोशिश की। जिस पर विधानसभा अध्यक्ष ने चेतावनी के बाद आप विधायक जरनैल सिंह, कुलदीप कुमार को पूरे दिन के लिए मार्शल आउट कर दिया। सदन में भाजपा के मालवीय नगर से विधायक सतीश उपाध्याय ने अपने इलाके में आ रहे गंदे पानी की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा कि उनके इलाके में कुछ कॉलोनियों में तीन साल से कई कॉलोनी में गंदा पानी आ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में आप सरकार द्वारा काम नहीं करने के कारण अब जनता इसका खामियाजा भुगत रही है। उन्होंने इसका कारण पानी की पाइपलाइन का पुराना हो जाना बताया है और इसे बदले जाने की जरूरत बताई है। बताया है कि 30 से 40 साल और 50 साल पुरानी पाइपलाइन उनके इलाके में पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही उन्होंने पानी के बंटवारे में असमानता होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा किसी कॉलोनी में एक घंटे पानी आ रहा है तो किसी में वह भी नहीं आ रहा है। इस पर भी ध्यान दिया जाए। भाजपा विधायक हरीश खुराना ने मोती नगर के सेवा बस्ती में पत्थर कटिंग से होने प्रदूषण का मुद्दा उठाया और इस पर कार्रवाई की मांग की। कृष्णा नगर से विधायक अनिल गोयल ने लघु उद्योगों में कर्मचारियों की निर्धारित संख्या 10 से बढ़कर 20 तक किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अभी तक लघु उद्योग में 10 कर्मचारियों की रखने की अनुमति है। कहा कि इस कारोबार से जुड़े लोग दूसरे राज्यों की तरफ रुख कर रहे हैं, जिससे दिल्ली को राजस्व को नुकसान हो रहा है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने विधानसभा सदन में पानी की आपूर्ति में आ रहीं समस्याओं को लेकर अपना बयान दिया। कहा कि दिल्ली की जनता पिछले 10 साल में पूर्व की सरकार द्वारा जल क्षेत्र में काम नहीं किए जाने का खामियाजा भुगत रही है। कहा कि जल को बढ़ाने के लिए और पुरानी पाइपलाइन बदलने के लिएकोई काम नहीं किया गया, यहां तक कि जापान की कंपनी के साथ चंद्रावल प्लांट और वजीराबाद प्लांट के विस्तार को लेकर जो काम अगले चरण में होना था उसे भी रोक दिया गया। बार-बार टेंडर में बदलाव किया गया। उन्होंने इसके पीछे का कारण अपने चाहते लोगों को ठेका दिलवाले की मंशा बताया, जिसके कारण आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी सरकार के 11 माह के कार्यकाल में किया जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पानी की आपूर्ति में ढाई सौ एमसीडी का गैप है, उसे अगले समय में दूर किए जाने के लिए भी पूरी कोशिश हो रही है।

दिल्ली में नकली ब्रांडेड कपड़ों की फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार; 1919 नकली शर्ट बरामद

पश्चिमी दिल्ली। दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिला की डिस्ट्रक्ट इन्वेस्टिगेशन यूनिट (डीआईयू) ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के नकली ब्रांडेड कपड़े बनाने वाली एक फेक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने टोडापुर इलाके में अवैध रूप से चल रही एक गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और गोदाम में छापामारी करके काफी मात्रा में ब्रांडेड कपड़े बरामद किए हैं। बरामद कपड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के लेविस, जारा और यूएसपीए के नकली कपड़े बड़े पैमाने पर बनाए और स्टोर किए जा रहे थे। डीसीपी दराडे शरद भास्कर ने बताया कि केल्विन क्लेन, जारा, टॉमी हिलफिगर, लेविस और यूएसपीए जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पश्चिमी दिल्ली में उनके ब्रांड

के नाम का गलत इस्तेमाल कर नकली कपड़े बेचे जा रहे हैं। ट्रेडमार्क और कॉपीराइट दस्तावेजों की गहन जांच के बाद, ट्रेडमार्क रजिस्ट्रार से अनिवार्य राय प्राप्त की गई। इसके बाद एसीपी विजय सिंह और इंस्पेक्टर डीआईयू के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने 7 जनवरी को टोडापुर स्थित एक परिसर पर छापामारी की। छापामारी के दौरान पुलिस ने मौके से 1919 नकली ब्रांडेड शर्ट बरामद कीं। बरामद किए गए कपड़ों में जारा के 1,050 नकली शर्ट, यूएसपीए के 650 नकली शर्ट, लेविस के 213 नकली शर्ट के साथ ही प्रत्येक ब्रांड की 2-2 सैंपल शर्ट हैं। पुलिस ने मौके से फैक्ट्री के संचालक राजीव नागपाल को गिरफ्तार किया है, जो रोहिणी सेक्टर-3 का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित इन नकली कपड़ों को असली ब्रांडेड बताकर बाजार में खपाने की योजना बना रहा था। डीसीपी ने बताया कि आरोपित के खिलाफ थाना इंद्रपुरी में ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 की धारा 103/104 और कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63/65 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गोरखधंधे में आरोपित के और कौन कौन सहयोगी हैं। इसके साथ ही नकली ब्रांडेड कपड़े तैयार करने के लिए कच्चा माल कहां से लाता था और दिल्ली के किन-किन बाजारों में इन नकली कपड़ों की सप्लाई की जा रही थी कितने समय से आरोपित इस फैक्ट्री का संचालन कर रहा था। पुलिस इनकी पहचान करने के साथ ही उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

हाई कोर्ट ने दी अल्पसंख्यक स्कूलों को राहत, फीस रेगुलेशन को लेकर दिल्ली सरकार और एलजी को तलब

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को अलग-अलग अल्पसंख्यक स्कूलों द्वारा दायर याचिकाओं के एक बैच पर दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल (एलजी) से जवाब मांगा। इन याचिकाओं में एक नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है, जिसमें प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ाने के लिए सरकारी मंजूरी को जरूरी बनाया गया है। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने नए कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल को नोटिस जारी किया और सुनवाई मार्च तक के लिए टाल दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता स्कूल मैनेजमेंट को छह हफ़्ते के अंदर अपना जवाब दाखिल करने की भी इजाजत दी। बेंच ने कहा कि स्कूल 10 जनवरी की पिछली डेडलाइन के बजाय 20 जनवरी तक अपने द्वारा ली जाने वाली फीस को रेगुलेट करने के लिए स्कूल-लेवल कमेटियां बना सकते हैं। बेंच ने यह भी कहा कि स्कूल मैनेजमेंट द्वारा प्रस्तावित फीस कमेटी को जमा करने की आखिरी तारीख पहले तय की गई 25 जनवरी के बजाय 5 फरवरी तक बढ़ा दी जाएगी। अलग-अलग अल्पसंख्यक स्कूलों द्वारा दायर याचिकाओं में दिल्ली स्कूल एजुकेशन (फीस

निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। खास बात यह है कि हाई कोर्ट ने गुरुवार को भी कई प्राइवेट स्कूलों द्वारा नोटिफिकेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। अल्पसंख्यक स्कूलों ने तर्क दिया कि यह कानून भारतीय संविधान के अनुच्छेद 30 का उल्लंघन करता है, जो सभी धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का मौलिक अधिकार देता है। उन्होंने तर्क दिया कि अल्पसंख्यक स्कूलों को अपनी फीस तय करने का अधिकार है और सरकार केवल यह सुनिश्चित कर सकती है कि ली जाने वाली फीस बहुत ज्यादा न हो। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि सरकार से पहले मंजूरी लेना गलत है और यह नियम अनुच्छेद 30 का साफ उल्लंघन है। हालांकि, शिक्षा निदेशालय (डीओई) की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एजी) एस.वी. राजू ने नए कानून का बचाव करते हुए कहा कि अनुच्छेद 30 की व्याख्या करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले सरकार द्वारा रेगुलेटरी उपायों की इजाजत देते हैं। याचिका में दिल्ली स्कूल एजुकेशन (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) द्वारा 24 दिसंबर, 2025 को जारी एक आदेश को भी चुनौती दी गई थी। आदेश में प्राइवेट बिना सरकारी मदद वाले स्कूलों को 10 जनवरी, 2026 तक एक स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी (एसएलएफआरसी) बनाने का निर्देश दिया गया था।

मनरेगा का नाम बदलने को लेकर दीपेंद्र हुड्डा ने खड़े किए सवाल, हरियाणा सरकार पर भी किया कटाक्ष

बहादुरगढ़ : रोहतक लोकसभा से कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मनरेगा के नाम बदलने को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि भगवान राम भी देख रहे होंगे कि मेरा नाम मयार्दा से नहीं लिया जा रहा। अगर योजना का नाम राम के नाम से करना था तो कम से कम बजट तो बढ़ा देना चाहिए था। वह हमारी समझ में कुछ तो आता ।लेकिन यहां ऐसा लग रहा है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम का नाम लेने में बीजेपी को शर्म आ रही है। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा रोहतक में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। हुड्डा ने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनते ही 2015 में ही मनरेगा की योजना को बंद करने की साजिश शुरू हो गई थी। इन्होंने मनरेगा का नाम ही नहीं बदला पूरी योजना ही बदल दी है। हरियाणा में 2024 में 8 लाख लोगों ने 100 दिन के काम के लिए रजिस्ट्रेशन किया लेकिन महज 2100 लोगों को ही काम दिया गया। यह इस योजना को कमजोर करने

वाला कदम है। कांग्रेस पार्टी इस कदम का विरोध करती है। देश के मजदूर भी अब इस सच्चाई को जान चुके हैं। कांग्रेस पार्टी एक महीने तक पूरे देश में इसकी विरोध में कार्यक्रम करेगी और संसद से सड़क तक इस लड़ाई को लड़ा जाएगा। दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा सरकार पर भी किया कटाक्ष प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा सरकार पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में कोई निवेश नहीं हुआ, केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला है। भाजपा के शासनकाल में लोग तो कष्ट काट रहे हैं और भाजपा के विधायक कॉलोनी काट रहे हैं। प्रदेश में ऐसा कोई शहर नहीं है जहां भाजपा के लोग कॉलोनी ना काट रहे हो। जहां विधायक नहीं है वहां यह काम पूर्व विधायकों द्वारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी को बताना चाहिए कि कौन सा विधायक कॉलोनी काटने में नहीं जुटा हुआ है। जहां तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर आरोप है वह सरासर निराधार है किसी भी जांच एजेंसी ने कोई भी पैसे के लेनदेन का मामला साबित नहीं किया है ।यह सिर्फ राजनीतिक देश के चलते हो रहा है।

वहीं पश्चिम बंगाल में ईडी की रेड को लेकर दीपेंद्र हुड्डा बोले यह भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली है और जो भी राजनीतिक विरोधी है, उनके खिलाफ जांच एजेंसियों को इशारा कार्यवाही करवाई जा रही है ।चाहे फिर वह लालू प्रसाद का परिवार हो या कांग्रेसी नेता और जो भी नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो जाता है उनकी सभी जांच वापस हो जाती है। ऐसे में अब जनता को खुद ही सोचना पड़ेगा।

छत से गिरने से डेढ़ साल के बच्चे की मौत, परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाए लापरवाही के आरोप

यमुनानगर : यमुनानगर में एक दर्दनाक हादसे में डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चा घर की छत से नीचे गिर गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। घटना के बाद परिजन उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। बच्चे की मौत के बाद अस्पताल परिसर में हंगामा खड़ा हो गया। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाए और सही इलाज न मिलने की बात कही। परिवार यमुनानगर के रूपनगर कॉलोनी का रहने वाला है। सुबह 11:00 के करीब बच्चा छत से नीचे गिर जाता है। परिजन हादसे के बाद बच्चे को तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे

थे, लेकिन समय पर और सही इलाज नहीं मिला, जिस कारण उनके बेटे की जान चली गई। बच्चे की मौत से मां-बाप का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने बच्चे की हालत को गंभीरता से नहीं लिया और जरूरी उपचार में देरी की गई। इसी को लेकर गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और जिम्मेदार डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामे के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। वहीं अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने इन आरोपों को गलत बताया है। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चा दूसरे हॉस्पिटल से रेफर हो कर आया था।

बच्चे के सिर में गंभीर चोट थी और उसकी हालत बेहद नाजुक थी। डॉक्टरों के अनुसार, परिजनों को बच्चे की गंभीर स्थिति के बारे में पहले ही जानकारी दे दी गई थी और हर संभव प्रयास किया गया, लेकिन चोट ज्यादा होने के कारण बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला बेहद संवेदनशील है और सूचना मिलने पर यहां पहुंच कर मामला शांत करवाया गया है। हुड्डा थाना प्रभारी प्रमोद वालिया ने बताया कि अभी तक कोई शिकायत परिजनों के द्वारा नहीं दी गई है। यदि किसी प्रकार की कोई शिकायत दी जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

करनाल में हाइड्रा ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, महिला की मौत, बाल-बाल बचे पति और बेटा

करनाल : करनाल जिले में हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की जान चली गई, जबकि उसके पति और 5 वर्षीय बेटा बाल-बाल बच गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। मृतक महिला की पहचान उचानी गांव निवासी रजनी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार परिवार धार्मिक स्थल मधुबन स्थित पक्के पुल धाम जा रहा था, तभी पीछे से आए भारी वाहन (हाइड्रा) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतका के पति रविंद्र ने बताया कि 8 जनवरी को वह पत्नी और बेटे के साथ बाइक से दर्शन के लिए निकले थे। रास्ते में

रजनी ने कुछ देर के लिए बाइक सड़त किनारे रोकने को कहा था।

बाइक को पीछे से मारी टक्कर

रविंद्र ने बताया कि उसने पत्नी के कहने पर बाइक रोकी और बच्चे को वॉशरूम के लिए उतारा। इसके बाद रजनी बेटे के साथ फिर से बाइक पर बैठी ही थी कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रही हाइड्रा ने खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी ।हाइड्रा चालक गिरफ्तार

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रजनी वाहन की दिशा में जा गिरीं, जबकि रविंद्र और उनका बेटा दूसरी ओर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद की और रजनी को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि हाइड्रा चालक को पकड़ लिया गया है। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों और गांव में शोक का माहौल है।

पुलिस जांच कर रही

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा के मुख्य सचिव की बिगड़ी तबीयत, सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़ : बड़ी खबर सामने आ रही है। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई।

उन्हें सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें तुरंत मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया।

फिलहाल डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है और उनका इलाज जारी है। बता दें कि अनुराग रस्तोगी 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने हरियाणा सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। वर्तमान में

मुख्य सचिव के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनका रिटायरमेंट 30 जून 2025 को निर्धारित था, लेकिन राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाते हुए 30 जून 2026 तक एक्सटेंड कर दिया है।

थाने और पुलिस चौकी एरिया में अपराध कंट्रोल नहीं हुआ तो एसएचवो का होगा डिमोशन, सीएम सैनी

फरीदाबाद : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया है। फरीदाबाद के सूरजकुंड में मौजूद सीएम सैनी ने स्पष्ट कहा कि जिस थाने या पुलिस चौकी में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रहेगा, वहां के एसएचओ को डिमोशन कर सब-इंस्पेक्टर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री सूरजकुंड में बजट को लेकर उद्योगपतियों से विचार-विमर्श के लिए पहुंचे थे, जहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर सख्त रुख दोहराया। सीएम ने क्राइम को लेकर कहा कि हरियाणा के हर आदमी खासतौर से महिलाओं की सुरक्षा उनकी सरकार की अहम जिम्मेदारी है। इसलिए हरियाणा में अगर कहीं पर कोई थाना इंचार्ज अपने इलाके में क्राइम या नशे के व्यापार को नही रोक पा रहा है तो उसको डिमोशन कर उसको सब इंस्पेक्टर बनाया जाएगा। उनकी पुलिस के अधिकारी समय-समय पर सभी थाना इंचार्जों की के काम की समीक्षा करते है।

हरियाणा पुलिस की रद्द भर्ती पर HSSC का बड़ा फैसला, इन महिलाओं को भी मिलेगी राहत

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती को लेकर हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (HSSC) के चेयरमैन हिम्मत सिंह द्वारा आयोजित लाइव सेशन में हजारों युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान भर्ती प्रक्रिया से जुड़े सबसे अधिक पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए आयोग ने कई अहम स्पष्टताएं दीं, जिससे अभ्यर्थियों में उत्साह देखा गया। चेयरमैन ने बताया कि साल 2024 में विज्ञापन संख्या 14-2024 के तहत जिन उम्मीदवारों ने आवेदन किया था और बाद में वह भर्ती रद्द कर दी गई थी, उन्हें नई भर्ती में उम्र में विशेष छूट दी जाएगी। साथ ही, आयु की गणना 1 जनवरी 2026 को आधार बनाकर की जाएगी, जिससे कई योग्य अभ्यर्थियों को दोबारा मौका मिलेगा। महिला अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक मानकों को भी साफ किया गया। सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई 158 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है, जबकि आरक्षित वर्ग की महिलाओं के लिए यह सीमा 156 सेंटीमीटर रखी गई है। आयोग ने कहा कि सभी वर्गों के लिए नियम पारदर्शी और समान रूप से लागू होंगे। फिजिकल टेस्ट को लेकर भी दिशा-निर्देश साझा किए गए। महिलाओं को एक किलोमीटर की दौड़ 6 मिनट में पूरी करनी होगी, पुरुषों को ढाई किलोमीटर बारह मिनट में और पूर्व सैनिकों को एक किलोमीटर पांच मिनट में पूरा करना होगा ।लाइव सेशन में गर्भवती महिला अभ्यर्थियों को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय सामने आया। हिम्मत सिंह ने बताया कि जो महिलाएं गर्भवती हैं, उन्हें दौड़ में अस्थायी छूट दी जाएगी, बशर्ते वे संबंधित चिकित्सीय दस्तावेज जमा करें। हालांकि, नियुक्ति से पहले सभी शारीरिक मानकों को पूरा करना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि 11 जनवरी 2026 से हरियाणा पुलिस के 5500 कांस्टेबल पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। आयोग ने भरोसा दिलाया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों के अनुरूप पूरी की जाएगी।

खबर एक्सप्रेस

पानीपत में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, झुलसने से एक की मौत, मजदूरों में मची अफरा-तफरी

पानीपत : पानीपत के सेक्टर-25 में स्थित गोल्डन टेरी टॉवल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस आग में झुलसने से एक कर्मचारी के मौत हो गई। जबकि अन्य मजदूरों को समय रहते बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री के फर्स्ट फ्लोर पर आग लगी थी। फिलहाल आग के कारणों का पता नहीं चल सका। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-25 में एक फैक्ट्री में शुक्रवार को अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। सभी मजदूर समय रहते फैक्ट्री से बाहर निकल गए। लेकिन एक कर्मचारी इस भीषण आग की चपेट में आ गया। आग से झुलसने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं, पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर सामान्य अस्पताल के मोच्युरी में रखवा दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

नववर्ष पर डीसी की बड़ी घोषणा, स्लम एरिया के बच्चों को देंगे एक माह का वेतन

अंबाला : जिला बाल कल्याण परिषद अम्बाला द्वारा अम्बाला छावनी स्थित लघु बाल भवन में नववर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष उपायुक्त अम्बाला आईएएस अजय सिंह तोमर ने शिरकत की। इस मौके पर डीसी ने बड़ी घोषणा करते हुए अपना एक माह का वेतन स्लम एरिया के बच्चों को देने का बड़ा ऐलान किया। इस हैप्पीनेस-एक नायाब कदम कार्यक्रम के तहत स्लम एरिया के बच्चों को शामिल किया गया। डीसी अजय सिंह तोमर ने बच्चों की जरूरत को देखते हुए अपने संबोधन में सर्दी से बचाव हेतु जैकेट्स देने के लिए निजी रूप से अपना एक माह का वेतन देने की घोषणा कर दी। इस पर जिला बाल कल्याण अधिकारी विश्वास मलिक ने त्वरित संज्ञान लेते हुए सभी बच्चों के नाप लिए। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में डीसी की धर्मपत्नी आईएएस संगीता तेतरवाल एवं शिवालिक बोर्ड की चेयरमैन पूजा कुमारी ने सभी बच्चों के साथ लोहड़ी मनाई। साथ ही सभी को जैकेट्स बांटने के साथ मूंगफली व रेवड़ी इत्यादि भेंट कर उपायुक्त की इच्छा को पूरा किया। उपायुक्त के इस प्रेरणादायक कदम की हर कोई उन्मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहा है।

नूंह में क्रिकेट मैच दौरान विवाद में जमकर हुआ 2 पक्षों में पत्थराव, कई लोग घायल

नूंह (ब्यूरो) : नूंह के फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव महू चोपड़ा में गुरुवार को 2 पक्षों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते पथराव में बदल गया जिसमें दोनों पक्षों से कई लोग घायल हो गए। घटना दौरान गांव का मुख्य मार्ग पूरी तरह से जाम हो गया। जानकारी अनुसार विवाद की शुरूआत क्रिकेट खेल दौरान बॉल को लेकर हुई। बताया जा रहा है कि गांव के पूर्व सरपंच जाकिर और पड़ोस में रहने वाले फारूक के बीच पहले से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते आज दोपहर करीब 2 बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से जमकर पथराव शुरू हो गया। पथराव दौरान फारूक पक्ष के लोग मकानों और दुकानों की छतों पर चढ़कर पत्थर फेंकते रहे जबकि पूर्व सरपंच जाकिर पक्ष के लोग सड़क पर खड़े होकर जवाबी पथराव करते रहे। करीब एक घंटे तक दोनों ओर से लगातार पत्थरबाजी होती रही जिससे पुर इलाका में अफरा-तफरी मच गई। पथराव की घटना का वीडियो सोशल मोडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही फिरोजपुर झिरका सदर थाना प्रभारी इंस्पैक्टर सुभाष पुलिस टीम के साथ मौक पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों को खदेड़कर मामला शांत करवाया। फिलहाल गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छछरौली में हमलावरों ने युवक को बेरहमी को पीटा, नकदी व आईफोन लूटकर हुए फरार

यमुनानगर : यमुनानगर जिले के छछरौली में गनोली गेट के पास गुलाबगढ़ गांव के एक युवक के साथ बुलेट सवार 2 हमलावरों ने मारपीट करते हुए कार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित युवक का आरोप है कि हमलावर कार में रखी 50 हजार नकदी और आईफोन छीनकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित युवक ने मामले की कार्रवाई के लिए पुलिस के पास शिकायत दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक बीरसिंह ने बताया कि वह छछरौली से बिलासपुर जाने के लिए गनौली गेट माजरी के पास पहुंचा तो सामने से बुलेट पर 2 युवक आकर उसके सामने रुके और उसको रोककर कहने लगे कि तुम्हारे रेत बजरी के ट्रैक्टर-ट्राली चलते हैं और हम रॉयल्टी के कारिंदे हैं और वह पैसों की डिमांड करने लगे। मना करने के बावजूद भी लगातार पैसे की डिमांड करने लगे और डंडे से कार पर हमला कर कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दी। बाद में हमलावरों ने लाठी डंडों से पिटाई कर दी है। इसके बाद कार के डैशबोर्ड में 50 हजार कैश रखा था जोकि बिलासपुर किसी रिश्तेदार को देने थे। हमलावरों ने कार में रखा कैश और मेरा आईफोन छीनकर मौके से फरार हो गए हैं। साथ ही कार के शीशे भी पूरी तरह से तोड़ दिए। पीड़ित ने बताया कि हमलावरों में से एक युवक जिसका नाम मुन्ना है छछरौली रहीमिया कॉलोनी का निवासी है। उसको वह पहले से ही पहचानता है। पीड़ित युवक ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने में शिकायत दे दी है। जांच अधिकारी वेदपाल ने बताया कि गनौली गेट के पास लड़ाई झगड़े की सूचना मिली थी और युवक बीर सिंह ने थाने में मुन्ना जो रहीमिया कॉलोनी छछरौली के खिलाफ शिकायत दी है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के उपरांत आरोपी के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

निगम चुनावों के लिए जल्द राज्य चुनाव आयोग को सिफारिश करेगा निकाय विभाग

चंडीगढ़ : हरियाणा में अम्बाला, सोनीपत और पंचकूला नगर निगम सहित 7 निकायों में प्रस्तावित चुनावों के लिए शहरी निकाय विभाग की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। तीन निगमों में से पंचकूला का कार्यकाल 4 जनवरी को पूरा हो चुका है जबकि सोनीपत नगर निगम का कार्यकाल 12 जनवरी और अम्बाला का कार्यकाल 13 जनवरी को पूरा हो रहा है। इसको देखते हुए अब जल्द ही शहरी निकाय विभाग की ओर से राज्य चुनाव आयोग को सिफारिश पत्र भेजा जाएगा। हालांकि अभी 22 जनवरी को रोटेशन-ड्रा ऑफ लॉट जारी करने की तैयारी है। इसमें तीनों निगमों के मेयर पद का ड्रा किया जाएगा, जिसमें से एक मेयर पद बी.सी.बी. के लिए आरक्षित किया जाना है। इसके अलावा रेवाड़ी नगर परिषद, धारूहेड़ा, सांपला और उकलाना निकायों में भी वार्ड आरक्षित कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में 3 नगर निगम सहित 7 निकायों में चुनाव को लेकर शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने वार्ड बंदी का काम पूरा होने के बाद चुनाव तैयारियां तेज कर दी हैं। सोनीपत, अम्बाला और पंचकूला में वार्डबंदी के साथ ही वार्ड रिजर्वेशन का काम भी पूरा कर लिया गया है। कुछ जगह अभी विवाद की स्थिति है, लेकिन विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सभी समस्याओं का समाधान समय रहते कर लिया जाएगा। सरकार से हरी झंडी के बाद ही होगा तिथियों का

ऐलानः हरियाणा में प्रस्तावित निकाय चुनावों के लिए फिलहाल नायब सैनी सरकार तैयार है। माना जा रहा है कि चुनावी प्रक्रिया फरवरी या मार्च के आखिरी सप्ताह में पूरी की जा सकती है लेकिन फरवरी के आखिरी सप्ताह से स्कूलों में परीक्षाएं शुरू होने और फरवरी के आखिरी सप्ताह से मार्च के पहले सप्ताह तक विधानसभा का बजट सत्र होने से चुनावी तिथि आगे-पीछे हो सकती है। फिलहाल राज्य चुनाव आयुक्त की ओर से चुनावी तिथियों के ऐलान से पहले इन बिंदुओं पर भी ध्यान दिया जाएगा। भाजपा ने शुरू की तैयारी, कांग्रेस भी सक्रियः नगर निकाय चुनाव को लेकर भाजपा पहले से ही तैयारी शुरू कर चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद इन चुनावों को लेकर सक्रिय हैं। वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति बना चुके हैं। भाजपा के पास अभी तीनों निगमों में मेयर की सीटें हैं इसलिए वह किसी भी सूरत में यह सीटें खोना नहीं चाहेगी। वहीं, कांग्रेस ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस ने तीनों नगर निगमों चुनाव को लेकर अपनी एक विशेष कमेटी का गठन कर दिया है। खास बात यह है कि इन 3 निगमों में से अम्बाला और पंचकूला में कांग्रेस के विधायक हैं, जिनके लिए निगम चुनाव में जीत दर्ज करना प्रतिष्ठा का सवाल रहेगा। प्रस्तावित निकाय चुनावों के लिए विभागीय तैयारी पूरी : अशोक मीणा शहरी स्थानीय विभाग के महानिदेशक अशोक मीणा ने बताया कि प्रस्तावित निकाय चुनावों के लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। विभाग की ओर से जल्द ही इसकी जानकारी राज्य चुनाव आयोग को दे दी जाएगी। जिसके बाद आयोग के ऊपर निर्भर करेगा कि उनकी ओर से कब चुनाव का ऐलान किया जाता है। विभाग से सिफारिश आने के बाद ही होगा तिथियों का ऐलान कल्याण हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण ने कहा कि प्रस्तावित निकाय चुनावों के लिए शहरी निकाय विभाग से तैयारियों का पूर्ण ब्यौरा आने के बाद ही चुनाव आयोग की ओर से तैयारी शुरू की जाएगी। विभाग से सिफारिश आने के बाद चुनाव के लिए एक निर्धारित समय होता है उसके तहत ही चुनावी तिथियों की घोषणा की जाएगी।

गायकवाड़ लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बने, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को पीछे छोड़ा

जयपुर (राजस्थान) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत वाले बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। कुछ ही दिन पहले उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया था। उनका शानदार औसत 58.83 ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज माइकल बेवन के 57.86 से ज्यादा है जिससे वह औसत के हिसाब से लिस्ट ए क्रिकेट में टॉप रैंक वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने यह उपलब्धि गुरुवार को चल रही विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में गोवा के खिलाफ हासिल की, जब उन्होंने जयपुर में महाराष्ट्र के लिए 131 गेंदों पर नाबाद 134 रन बनाए। गायकवाड़ ने लिस्ट ए क्रिकेट में 102.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,060 रन बनाए हैं। गायकवाड़ ने 20 लिस्ट ए शतक और 5000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बनकर भी इतिहास रचा, उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 99 पारियों में हासिल की।

न्यूजीलैंड वनडे टीम से बाहर किए जाने के बाद गायकवाड़ ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक बनाया था, ने इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया और टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतकों के लिए अंकित बावने के रिकॉर्ड की बराबरी की, दोनों के 15-15 शतक हैं। जहां बावने के शतक 101 मैचों में आए हैं। वहीं गायकवाड़ ने वहां तक पहुंचने के लिए सिर्फ 59 मैच लिए। गायकवाड़ की निरंतरता न सिर्फ उनके शतकों में बल्कि सभी फॉर्मेट में उनके आंकड़ों में भी दिखती है। गायकवाड़ ने 59 VHT मैचों में 65.41 के शानदार औसत और 105.00 के स्ट्राइक रेट से 3336 रन बनाए हैं।

गायकवाड़ की 131 गेंदों में 134* रनों की जुझारू पारी जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे, ने महाराष्ट्र को 249/7 तक पहुंचाया जिसमें विक्की ओत्सवाल (82 गेंदों में 53 रन, दो चौके और दो छक्के) ने एक महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया। गोवा के रन चेज़ में ललित यादव ने 67 गेंदों में नाबाद 57* रन बनाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिसमें 5 चौके और एक छक्का शामिल था, लेकिन वे 5 रन से पीछे रह गए और प्रशांत सोलंकी (4/56) की शानदार चार विकेट की बदौलत उन्हें 244/9 पर रोक दिया गया।

अकाने यामागुची रिटायर, पीवी सिंधु 13 महीनों में अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचीं

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को हराकर सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन सिंधु को तीसरी सीड जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया। यामागुची पहला गेम 21-11 से हारने के बाद मैच से रिटायर हो गईं।

सिंधु एक साल से ज्यादा समय बाद अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंच गईं, जब सीज़न के पहले मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची पहले गेम के बाद चोट के कारण रिटायर हो गईं। सिंधु गुरुवार को यामागुची की हमवतन टोमोका मियाज़ाकी पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर में पहुंची थीं, लेकिन यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम के इंटरवल में 11-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बीच में पूर्व खिलाड़ी शॉट लगाने की कोशिश में चोटिल हो गईं और उनके टखने में मोच आ गई। पहला गेम खत्म होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे सिर्फ 12 मिनट में 21-11 से जीत लिया। इसके खत्म होने के तुरंत बाद, यामागुची अंपायर के पास गईं और उन्हें मैच से रिटायर होने के अपने फैसले के बारे में बताया और सिंधु से हाथ मिलाया। सिंधु आखिरी बार दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल में सेमीफाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्होंने हमवतन उन्नति हुड्डा को सीधे गेम में हराया था और फिर फाइनल में चीन की वूओ लुओ यू को आसानी से हराकर खिताब जीता था।

वह सिंधु की आखिरी जीत थी और वह मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी में से किसी एक का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिंधु, जो पैर की चोट के कारण बाहर थीं और अक्टूबर के बाद किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था, ने मियाजाकी पर अपनी जीत के बाद टॉप-लेवल प्रदर्शन बनाए रखने में फिटनेस के महत्व पर जोर दिया।

यूनाइटेड कप : ऑस्ट्रेलिया को हराकर पोलैंड सेमीफाइनल में पहुंचा

सिडनी (एजेंसी)। पोलैंड ने शुक्रवार रात सिडनी में क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक मिक्स्ड डबल्स जीतकर पिछले साल यूनाइटेड कप फाइनल में यूनाइटेड स्टेट्स से मिली हार का बदला लेने का मौका हासिल कर लिया। शाम को पहले इगा स्वियाटेक और एलेक्स डी मिनौर ने अपने-अपने देशों के लिए अलग-अलग सिंगल्स मैच जीते, जिसके बाद जान जिलिंस्की और कटारजीना कावा ने जॉन-पैट्रिक स्मिथ और स्टॉर्म हंटर को 6-4, 6-0 से हराकर पोलैंड की जीत पक्की कर दी।

लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में पहुंचकर पोलैंड को शनिवार रात डिफेंडिंग चैंपियन यूनाइटेड स्टेट्स से भिड़ने का मौका मिलेगा, जब सिंगल्स मैच - स्वियाटेक बनाम कोको गॉफ और हुरकाज बनाम टेलर फ्रिट्ज - 2025 के फाइनल की तरह ही होंगे। पिछले साल गॉफ ने 6-4, 6-4 से जीत हासिल की थी, जबकि हुरकाज को फ्रिट्ज से तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था।

शुक्रवार को एक नाटकीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के भारी समर्थन के सामने, डी मिनौर ने सिडनी में शुक्रवार रात अपने करियर के सबसे शानदार शुरुआती सेट प्रदर्शनों में से एक दिया, जिससे उन्होंने हुरकाज पर 6-4, 4-6 6-4 से जीत हासिल की और आखिरी यूनाइटेड कप क्वार्टर फाइनल को निर्णायक मिक्स्ड डबल्स तक पहुंचाया। वर्ल्ड नंबर 6 ने अपने पहले चार सर्विस गेम में मिले सभी नौ ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें मैच के दूसरे गेम में चार शामिल थे जिससे ऑस्ट्रेलिया मैच में बना रहा, जबकि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वियाटेक ने ऑस्ट्रेलियाई टीनएजर माया जॉइंट को 6-1, 6-1 से हरा दिया था।

शुभमन गिल ने नेट्स में जमकर बहाया पसीना, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पूर्व किया अभ्यास

वडोदरा (गुजरात) (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे से पहले नेट्स में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार से शुरू हो रही है। पिछले महीने पैर की उंगली में चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज से बाहर होने के बाद गिल की भारतीय टीम में वापसी होगी और आखिरकार उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था।

इंस्टाग्राम पर गिल ने वडोरा में एक प्रैक्टिस सेशन की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पिछले कुछ महीनों में गिल चोटों से जूझ रहे हैं। पैर की उंगली में चोट लगने से पहले पिछले साल गर्दन की चोट के कारण उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था। उन्होंने सीरीज के बाकी मैचों में नहीं खेला जिसमें ऋषभ पंत ने भारत की कप्तानी की थी।

गिल 50 ओवर के फॉर्मेट में कीवी टीम के खिलाफ शानदार रहे हैं। उन्होंने सिर्फ 12 मैचों में 69.22 की शानदार औसत से 623 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे दोहरा शतक (208) भी बनाया था। इस बीच भारतीय मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने की मंजूरी मिल गई है।

इस महीने की शुरुआत में श्रेयस को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे टीम में शामिल किया गया था, जिसमें उनकी भागीदारी उनकी फिटनेस और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी प्लीहा की चोट से उबरने के बाद बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) से मंजूरी पर निर्भर थी। श्रेयस ने चल रही विजय हजारे ट्रॉफी (VHT) में मुंबई की कप्तानी की है और अब तक दो मैच खेलने के बाद वह कीवी वनडे के लिए मजबूत दिख रहे हैं।

श्रेयस फिलहाल भारत के वनडे उप-कप्तान हैं और पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान एक शानदार डाइविंग कैच लेते समय उन्हें प्लीहा में चोट लगी थी। मैच के बाद उन्हें अंदरूनी ब्लीडिंग के कारण तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में टेस्ट में पता चला कि उनकी स्प्लीन फट गई थी। इस चोट के कारण वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे मैचों में नहीं खेल पाए।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान)*, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (WK), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

कलिंगा लांसर्स ने बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराकर हासिल किया दूसरा स्थान

चेन्नई। वेदांता कलिंगा लांसर्स ने गुरुवार को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में श्राची बंगाल टाइगर्स पर कड़े मुकाबले में 2-1 से जीत हासिल करके पुरुषों की हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी। वेदांता कलिंगा लांसर्स के लिए अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स (52') और बॉबी सिंह धामी (57') ने गोल किए, जबकि टाइगर्स के लिए एकमात्र गोल अफ्फान यूसुफ (56') ने किया। यह लांसर्स की लगातार दूसरी जीत थी, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। मैच के बारे में बात करते हुए हेड कोच जे स्टेसी ने कहा, 'यह उतार-चढ़ाव वाला एक कठिन मैच था। पहला क्वार्टर हमारा था, दूसरा टाइगर्स का था, हाई-लेवल हॉकी में अक्सर ऐसा ही होता है। उसके बाद मुकाबला काफी बराबरी का था, लेकिन हमने बहुत जल्दी बहुत ज़्यादा करने की कोशिश में कुछ टर्नओवर किए।' लांसर्स ने चेन्नई लेग का अंत लगातार 2 जीत के साथ किया और अब वे 11 जनवरी को रांची में अपने अगले मैच में एचआईएल जीसी का सामना करेंगे।

तीरंदाज अंकिता की नजरें एशियाई खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं। अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने हाल ही में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को हराया, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साह से भरी हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है। पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

अभी हमारा ध्यान टी20 नहीं एकदिवसीय सीरीज पर : मिचेल

वडोदरा (एजेंसी)। न्यूज़ीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा है अभी उनका ध्यान भारतीय टीम के खिलाफ 11 जनवरी से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज पर है। इसलिए टीम अभी उसी की तैयारी में लगी है। इसके समाप्त होने के बाद ही टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर अपनी रणनीति बनाएगी। मिचेल का मानना है कि भारतीय टीम के टी20 सीरीज में उनके बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवती का सामना करना आसान नहीं होगा।

इस बल्लेबाज के अनुसार अभी टीम उस सीरीज हो देख रही है जो सामने है। इसलिए अभी टी20 विश्वकप के बारे में सोचा नहीं जा सकता। मिचेल ने कहा, टी20 विश्व कप अभी एक महीने दूर है। इसलिए अभी हम केवल एकदिवसीय सीरीज में ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारतीय टीम के पास बुमराह और वरुण जैसे शानदर गेंदबाज हैं, जो हमारे लिए चुनौतियां पेश करेंगे।

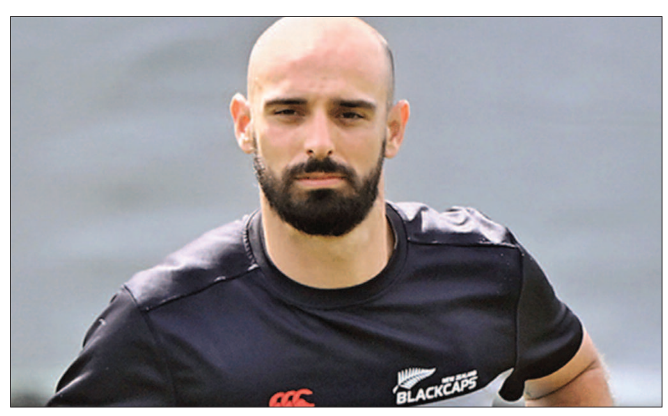

तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल होगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरेगी जिससे किवी गेंदबाजों को काफी अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। ये मुकाबले टी20 वर्ल्ड कप से पहले लय हासिल करने का अवसर भी देते हैं, मिचेल ने साफ किया कि टीम इसे केवल अभ्यास नहीं, बल्कि एक अहम द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ले रही है। मिचेल ने भारतीय पिचों को लेकर भी अपनी बात रखी और कहा कि यहां की परिस्थितियों में ढलना विदेशी टीमों के लिए हमेशा कठिन रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टर्न लेती पिचें कीवी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी होंगी। उन्होंने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर आपको दुनिया भर के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होता है। भारत में खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है।

श्रीलंका ने राठौड़ को बल्लेबाजी कोच बनाया

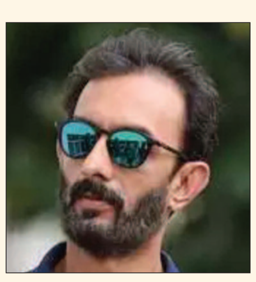

कोलंबो। श्रीलंका ने टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को अपने साथ जोड़ा हैं। अब राठौड़ श्रीलंकाई टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। राठौड़ को बल्लेबाजी कोच का खासा अनुभव है और वह राहुल द्रविड़ के कार्यकाल में भारतीय पुरुष टीम के बाजी कोच रहे थे और 2024 में टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। श्रीलंका अपना पहला मैच 8 फरवरी को आयरलैंड से खेलेगा। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से कर रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार राठौड़ 15 जनवरी तक टीम से जुड़ जाएंगे। राठौड़ एक सफल प्रथम श्रेणी बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए 6 टेस्ट और 7 एकदिवसीय खेले हैं। उन्होंने बल्लेबाजी कोच के रूप में अहम भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत (2020-21) और 2023 विश्व कप में भी वह भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच थे। इसके साथ ही वह घरेलू और आईपीएल टीमों के भी कोच रहे हैं।

उम्र बढ़ने के साथ और बेहतर खिलाड़ी हो रहा हूं : दुनिया के सबसे उम्रदराज पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी

तोक्यो। दुनिया के सबसे उम्रदराज पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ी जापान के काजुयोशी मियूरा का मानना है कि बढ़ती उम्र के साथ उनका खेल और बेहतर होता जा रहा है। 'किंग काजू' के नाम से पहचाने वाले मियूरा अगले महीने 59 बरस के हो जाएंगे। उन्होंने शुक्रवार को तोक्यो में जे-लीग (जापान की घरेलू फुटबॉल लीग) की तीसरी डिवीजन क्लब फुकुशिमा यूनाइटेड एफसी से जुड़ने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं जितना ज्यादा अपने जुनून का पीछा करता हूं, वह उतना ही वह बढ़ता जाता है। भले ही मेरी उम्र बढ़ रही है लेकिन मुझे लगता है कि मेरा जोश पहले से भी ज़्यादा बढ़ रहा है।' फुकुशिमा यूनाइटेड ने मियूरा को योकोहामा एफसी से उधार (लोन पर) लिया है। वह पिछले सत्र में चौथी डिवीजन क्लब एटलेटिको सुजुका के लिए लोन पर खेले थे। इस 58 साल के खिलाड़ी ने हालांकि सुजुका के लिए खेले गए सात मैचों में कोई गोल नहीं किया था। मियूरा ने जापान के अलावा ब्राजील, इटली, क्रोएशिया, ऑस्ट्रेलिया और पुर्तगाल में पेशेवर फुटबॉल खेला है। उन्होंने 1986 में ब्राजील के प्रसिद्ध क्लब सैंटोस से अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की थी। दुनिया से सबसे महान खिलाड़ियों में शुमार पेले ने इस क्लब को विश्व प्रसिद्ध बनाया। मियूरा 2017 में, 50 वर्ष की उम्र में पेशेवर मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के महान अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्टेनली मैथ्यूज के नाम था। मियूरा जापान फुटबॉल के शुरुआती बड़े सितारों में से एक रहे हैं। 1990 के दशक में उन्होंने जापान की राष्ट्रीय टीम के लिए 89 मैचों में 55 गोल किए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं मैच में अच्छा प्रदर्शन करूं। मैं इसके लिए पूरी तैयारी करूंगा और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा।'

डब्ल्यूपीएल से भारतीय खिलाड़ियों में 'विनिंग माइंडसेट' आया है : हरमनप्रीत कौर

मुंबई (एजेंसी)। भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि भारत सिर्फ एक विश्व कप जीत से संतुष्ट नहीं है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान और भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 है और डब्ल्यूपीएल उस लक्ष्य तक पहुंचने का एक अहम रास्ता है। दोनों ने डब्ल्यूपीएल2026 के उद्घाटन मैच से पहले बताया कि आने वाला यह सीजन किस तरह वनडे चैंपियन को टी20 विश्व कप चैंपियन बनने में मदद कर सकता है।

मंधाना ने कहा, 'अगर हम टी20 विश्व कप जीतते हैं, तो बहुत बढ़िया होगा। हमने वनडे विश्व कप जीता है, लेकिन टीम में अभी भी बहुत सी चीज़ें हैं, जिन पर हमें काम करना है। हम सच में ऐसा समय चाहते हैं, जब हम कह सकें कि 'हां हम दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम हैं।' मुझे लगता है कि हमें अभी भी बहुत सुधार करना है। मुझे पूरा भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल इस अंतर को आने वाले सालों में कम करेगा। जब भी हम भारत के लिए खेलते हैं, हम हमेशा बात करते हैं कि हम सिर्फ एक या दो टूर्नामेंट के लिए नहीं, बल्कि पूरे साल दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम बनना चाहते हैं। मैं सोचती हूं कि हर डब्ल्यूपीएल हमें उस लक्ष्य के और करीब ले जा रहा है।'

उन्होंने कहा, 'वनडे विश्व कप जीते हुए डेढ़ महीना ही हुआ है और डब्ल्यूपीएल उसी लय को आगे बढ़ाएगा। डब्ल्यूपीएल में लौटना हमेशा रोमांचक रहता है क्योंकि घरेलू खिलाड़ी, विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और यह अनुभव महिला क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है। तो मुझे भरोसा है कि डब्ल्यूपीएल उस मोमेंटम को आगे ले जाएगा, जो हमें विश्व कप ने दिया और उम्मीद है कि यह हमेशा ऐसे ही चलता रहे।'

वहीं हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी है कि भारतीय टीम में आ रही युवा खिलाड़ी, सीनियर खिलाड़ियों के लक्ष्य से जुड़ी हुई हैं और इसका श्रेय डब्ल्यूपीएल को जाता है, जिसने 'जीतने वाली सोच' दी है। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ एक विश्व कप से संतुष्ट नहीं हैं। हमारे पास इस साल और अगले दो-तीन साल में बहुत क्रिकेट है। हर बार जब हम मैदान पर जाते हैं, तो हम सबसे बेहतरीन माइंडसेट के साथ जाना चाहते हैं और वही माइंडसेट हमारे लिए सबसे जरूरी है।'

भारतीय कप्तान ने कहा, 'अच्छी बात यह है कि सिर्फ हम ही नहीं, बल्कि बाकी खिलाड़ी भी यही सोचते और बोलते हैं कि हम हमेशा चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे दिखता है कि डब्ल्यूपीएल ने हम पर कितना बड़ा असर डाला है।' हरमनप्रीत ने यह भी समझाया कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को दबाव में खेलने के लिए कैसे तैयार करता है। अब खिलाड़ी अपने कंफ़र्ट 'ज़ोन में नहीं हैं। वे बहुत मेहनत कर रहे हैं। वे विदेशी खिलाड़ियों के साथ और ख़िलाफ़ खेल रहे हैं, तो वे उनसे बहुत कुछ सीख रहे हैं। अब वह गैप नहीं है, जो पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में महसूस होता था। मुझे लगता है डब्ल्यूपीएल ने हमारी क्रिकेट पर बहुत बड़ा असर डाला है। टीम के तौर पर हमें खुशी है कि हम बड़े लक्ष्य स्थापित कर रहे हैं।' इंग्लैंड में टी20 विश्व कप शुरू होने में छह महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में मंधाना ने बताया कि डब्ल्यूपीएल उन खिलाड़ियों के लिए मौका है जो अभी भारतीय टीम में नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'जब डब्ल्यूपीएल में नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आती हैं, तो यह बहुत रोमांचक होता है। मैं कभी नहीं कहूंगी कि दरवाजे बंद हैं और यहां से किसी को कुछ नहीं मिलेगा। अगर कोई खिलाड़ी बहुत शानदार प्रदर्शन करता है, तो टी20 विश्व कप का मौका जरूर बनता है। वह (हरमनप्रीत) भी इससे सहमत होंगी। लेकिन यह भी देखना होगा कि वह खिलाड़ी कहां फिट बैठती है। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि अगर किसी ने डब्ल्यूपीएल में अच्छा खेला तो हमेशा मौका रहता है।'

स्टोइनिस ने बाबर के आउट होने पर मनाया जश्न, सोशल मीडिया में आया वीडियो

सिडनी। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाज मार्कस स्टोइनिस ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच में सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को 14 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टोइनिस ने बाबर को एलबीडबल्यू करने के बाद आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस मैच की पहली पारी में स्टोइनिस का कैच बाबर ने ही पकड़ा था। स्टोइनिस ने 33 रन बनाये थे। ऐसे में जब उन्होंने बाबर को एलबीडब्ल्यू किया तो उनकी खुशी देखते लायक थी। मानो उन्होंने बाबर से बदला पूरा कर लिया हो। अंपायर के बाबर को आउट देने के साथ ही स्टोइनिस ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। वहीं बाबर मायूस होकर मैदान से वापस लौटे। बाबर का बिग बैश लीग में अब तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने एक ही मैच में 58 रन बनाये बाकि मैचों में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। उनका स्ट्राइक रेट भी केवल 126 ही रहा। वहीं बाबर के असफल होने के बाद भी इस मुकाबले में स्टोनिस की टीम हारी। मैच में मेलबर्न स्टार्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 128 रन बनाये। वहीं सिडनी सिक्सर्स ने चार विकेट खोकर ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

बॉर्डर 2 लिए के लिए सनी देओल ने सबसे ज्यादा फीस ली

2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2, 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह गणतंत्र दिवस के ठीक पहले आएगी। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपनी कास्ट और कहानी की वजह से काफी चर्चा में है। फिल्म के निर्माताओं ने कलाकारों की सैलरी का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सनी देओल सबसे ज्यादा फीस लेने वाले कलाकार हैं। कथित तौर पर उन्होंने अपने रोल के लिए 50 करोड़ रुपये लिए हैं। सनी देओल तो पहली फिल्म में भी थे।

वरुण और दिलजीत दोसांझ की फीस

सनी के अलावा वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ को भी अच्छी फीस मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वरुण धवन ने बॉर्डर 2 के लिए 8-10 करोड़ रुपये फीस ली है। वहीं दिलजीत दोसांझ ने 4-5 करोड़ रुपये लिए हैं।

मुख्य कलाकारों के अलावा सपोर्टिंग रोल में अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा हैं। उनकी सैलरी का सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया, लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने भी करोड़ों में अच्छी रकम ली।

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और जबरदस्त फैन फॉलोइंग वाली एक्ट्रेस मानी जाती हैं। यही नहीं वो इंडस्ट्री की मोस्ट डिजायरेबल बैचलर्स एक्ट्रेस में से भी एक हैं। राहुल मोदी के साथ कथित रिलेशनशिप की खबरों के बाद फैंस उनकी शादी का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आखिर श्रद्धा ने एक फैन को जवाब देते हुए अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ी है और शादी पर बात की है।

राहुल मोदी से अफेयर की चर्चाओं के बीच श्रद्धा कपूर ने शादी की योजना पर दी प्रतिक्रिया

श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने ज्वेलरी ब्रांड का एक प्रमोशनल वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री यह बताती नजर आ रही हैं कि आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर ब्रेकअप वैलेंटाइन डे के आसपास होते हैं। फिर वह इसके पीछे के संभावित कारणों पर विचार करती हैं और शरारती अंदाज में कहती हैं कि लोग प्यार के इस मौसम में अकेले रहने से बचने के लिए उनके गिफ्ट बॉक्स खरीद सकते हैं। अपने वीडियो के कैप्शन में भी श्रद्धा ने फैंस से यही पूछा है, 'किस किसका ब्रेकअप वैलेंटाइन के करीब हुआ है?'

श्रद्धा कपूर के इस वीडियो पर कई लोगों ने अभिनेत्री से उनकी शादी को लेकर सवाल कर डाला। तो कुछ ने तो उन्हें अपना वैलेंटाइन बनने के लिए ही पूछ लिया। इसी क्रम में एक यूजर ने उनकी शादी की योजना को लेकर सवाल करते हुए, कमेंट में लिखा, 'श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे?' ये कमेंट वायरल तब हो गया, जब श्रद्धा ने इस पर रिप्लाई करते हुए अपना जवाब दिया। एक्ट्रेस ने बिना झिझक जवाब देते हुए लिखा, 'मैं करूंगी, विवाह करूंगी।' श्रद्धा का ये जवाब अब सोशल मीडिया पर वायरल है और उनके जल्द ही शादी करने की खबरों को भी बल दे रहा है।

राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा श्रद्धा का नाम

श्रद्धा कपूर का नाम पिछले कुछ वक्त से राहुल मोदी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ भी देखा गया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते पर कभी कुछ नहीं बोला। श्रद्धा और राहुल के बीच डेटिंग की अफवाहें सबसे पहले 2024 की शुरुआत में मुंबई में डिनर डेट के बाद एक साथ देखे जाने से उठीं। श्रद्धा कभी-कभी इंस्टाग्राम पर उनकी मजेदार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। उनके अलग होने की अफवाहें भी उड़ी थीं, लेकिन श्रद्धा ने दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ वड़ा पाव डेट की एक तस्वीर पोस्ट करके इन अफवाहों को खारिज कर दिया।

श्रद्धा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। वहीं श्रद्धा के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो इनमें ईथा, जो प्रसिद्ध मराठी लोक कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक ड्रामा है। इसके अलावा 'नागिन' और 'स्त्री 3' में भी श्रद्धा के होने की चर्चाएं हैं। हालांकि, 'स्त्री 3' में अभी समय है।

सलमान खान की अगली फिल्म राज एंड डीके के साथ

सलमान खान एक तरफ जहां अपनी फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं वहीं अब उनके अगले प्रॉजेक्ट की खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि सलमान की द फैमिली मैन के लिए मशहूर फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके के साथ नए प्रॉजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। द फैमिली मैन मेकर्स के साथ सलमान खान इन दिनों अपनी अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। वहीं अब उन ताजा खबर ये है कि सलमान की द फैमिली मैन के लिए मशहूर फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके के साथ नए प्रॉजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि जिस प्रॉजेक्ट पर उनकी बातचीत चल रही है वो एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। ये फिल्म सलमान की असल जिंदगी और उनकी जादुई पर्सनैलिटी से मैच खाएगी। सलमान खान ने राज और डीके के साथ इस प्रॉजेक्ट में काफी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान ने दोनों निर्माताओं से फिल्म का बेसिक आइडिया समझा है और इसमें रुचि दिखाई है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म बताई जा रही है, लेकिन इसमें खान को एक अलग अंदाज में पेश किया जाएगा।

मेकर्स 2026 के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं

हालांकि, रिपोर्ट ये भी है कि सलमान खान ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को फाइनल हां नहीं कहा है। सलमान खान के व्यस्त शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए फिल्म की टाइमलाइन्स पर चर्चा चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा और खान इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए तो मेकर्स 2026 के अंत तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, सारा ध्यान क्रिएटिव तरीके से स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने पर है।

इस बीच, सलमान खान अपनी अगली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की तैयारियों में जुटे हैं, जिसका निर्देशन अपूर्वा लखिया कर रहे हैं और जिसे उनकी अपनी फिल्म सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म में खान और चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं और यह सच्ची ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है। फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राज निदिमोरू ने सामंथा रुथ प्रभु से शादी की

राज और डीके के हालिया प्रॉजेक्ट में द फैमिली मैन 3 शामिल है जिसमें मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी अपनी पुरानी भूमिका को दोहराते दिख रहे हैं। साथ ही प्रियामणि, शारिब हाशमी, गुल पनाग, जयदीप अहलावत और निमरत कौर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें राज निदिमोरू ने 1 दिसंबर, 2025 को कोयंबटूर के ईशा योग केंद्र में एक समारोह में एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु से शादी की।

तापसी ने बताया कैसे करती हैं फिल्मों का चयन

अभिनेत्री तापसी पन्नू अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी पहचानी जाती हैं। वो अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती रहती हैं। अब तापसी पन्नू ने अपने करियर को लेकर बात की और बताया कि कैसे कई फ्लॉप के बाद उन्हें अपने करियर की राह मिली। साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि कोई फिल्म चुनते वक्त उनके लिए क्या बात सबसे मायने रखती है।

दर्शकों से जुड़ने वाली फिल्में करना है पसंद

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने लगातार फ्लॉप फिल्मों और दिल टूटने के बाद अपनी असली पहचान की खोज के बारे में खुलकर बात की। तापसी ने कहा कि मुझे अपनी असली पहचान पाने के लिए लगातार कई फ्लॉप फिल्मों और दिल तोड़ने वाले अनुभवों से गुजरना पड़ा। मुझे एहसास हुआ कि मैं उन फिल्मों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करती हूं, जिनमें मेरा दिल और दिमाग पूरी तरह से उस चीज से जुड़ा होता है जिसे मैं पेश कर रही हूं। उस प्रोजेक्ट का दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव होता है। इसलिए अब मैं सिर्फ अपनी अंतरात्मा की सुनती हूं। मैं शायद उन प्रोजेक्ट्स को नहीं चुनती जो मेरे बैंक खाते को बढ़ाएं, बल्कि उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरी आर्टिस्टिक क्षमता को निखारें। एक ऐसा नया रास्ता बनाएं जिस पर ज्यादा लोग नहीं चलते।

अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं तापसी

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने कुछ ऐसे प्रोजेक्ट और भूमिकाएं चुनीं जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। हालांकि, तापसी द्वारा लिए गए कुछ अलग तरह के काम और किरदारों ने उन्हें सफलता दिलाई। तब से वह पारंपरिक फॉर्मूले की परवाह किए बिना अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपना खुद का एल्गोरिदम बनाया है।

तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। यह मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद अब उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में वो लड़की है कहां?, गांधारी और 'दुर्गा' जैसी फिल्में शामिल हैं। वो 'दुर्गा' की शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं।

माही विज और जय भानुशाली ने अलग होने का किया एलान, बच्चों के लिए बने रहेंगे माता-पिता

टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे चहेती जोड़ियों में गिने जाने वाले माही विज और जय भानुशाली ने अपने रिश्ते को लेकर ऐसा फैसला लिया है, जिसने फैंस को हैरानी में डाल दिया है। करीब 15 साल की शादी और लंबे साथ के बाद इस स्टार कपल ने अलग होने की घोषणा कर दी है। हालांकि दोनों ने साफ कर दिया है कि यह फैसला किसी विवाद या नकारात्मकता का नतीजा नहीं है, बल्कि शांति और समझदारी के साथ लिया गया एक फैसला है।

सोशल मीडिया पर जारी किया स्टेटमेंट

सोशल मीडिया पर साझा किए गए संयुक्त बयान में माही और जय ने न सिर्फ अपने अलग होने की पुष्टि की, बल्कि यह भी भरोसा दिलाया कि वे अपने तीनों बच्चों के लिए हमेशा एकजुट रहेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक जैसा नोट शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने जिंदगी के सफर में अब अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि भले ही वे पति-पत्नी के रूप में साथ न हों, लेकिन एक-दूसरे के लिए सम्मान, सहयोग और दोस्ती हमेशा बनी रहेगी। बयान में यह भी साफ किया गया कि इस फैसले में कोई 'विलेन' नहीं है, न ही किसी तरह की कड़वाहट। दोनों ने फैंस और मीडिया से अपील की कि वे इस फैसले को ड्रामा या विवाद की तरह न देखें, बल्कि शांति और समझ के साथ स्वीकार करें।

'हमारे बच्चों के लिए सबसे अच्छे माता-पिता बनेंगे'

इस पूरे ऐलान का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। माही और जय ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा उनके बच्चे रहेंगे- तारा (उनकी बायोलॉजिकल बेटी), खुशी और राजवीर (जिन्हें उन्होंने गोद लिया है)। उन्होंने लिखा कि बच्चों की भलाई के लिए वे न सिर्फ जिम्मेदार माता-पिता बनेंगे, बल्कि जरूरत पड़ी तो एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त भी रहेंगे। उनका कहना था कि बच्चों की परवरिश, सुरक्षा और खुशी के लिए वे हर मुमकिन कदम साथ मिलकर उठाएंगे।

कब शुरू हुई थीं अलगाव की चर्चाएं?

माही विज और जय भानुशाली के रिश्ते को लेकर पिछले कुछ महीनों से अटकलें लगाई जा रही थीं। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा था और वे अलग-अलग दिशा में आगे बढ़ रहे थे। लंबे समय से दोनों ने साथ में तस्वीरें पोस्ट करना बंद कर दिया था। कभी फैंस के पसंदीदा रहे फैमिली व्लॉग्स भी नजर नहीं आ रहे थे। जून 2024 के बाद कोई भी बड़ा फैमिली कोलैब सामने नहीं आया। हालांकि अगस्त में बेटी तारा के जन्मदिन पर दोनों साथ नजर आए, लेकिन वहां भी उनके बीच दूरी साफ झलक रही थी।

जय और माही की शादी

माही विज और जय भानुशाली की लव स्टोरी टीवी इंडस्ट्री की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही है। दोनों ने एक-दूसरे को डेट करने के बाद 2010 में एक निजी समारोह में शादी की थी। शादी के बाद यह जोड़ी रियलिटी शोज, अवॉर्ड फंक्शन्स और सोशल मीडिया पर अक्सर साथ नजर आती थी। दोनों ने हमेशा एक-दूसरे का करियर में समर्थन किया और 'परफेक्ट कपल' की मिसाल माने जाते रहे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।